website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 247 | पेज: 8 | जयपुर, शुक्रवार 15 अगस्त 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

65 लाख हटाए गए मतदाताओं की सूची वेबसाइट और बूथ स्तर पर होगी सार्वजनिक

- तेजस्वी यादव ने बताया 'लोकतंत्र की जीत'

नई दिल्ली। बिहार में चल रही स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) प्रक्रिया पर सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक अहम आदेश जारी किया। कोर्ट ने कहा कि जिन 65 लाख मतदाताओं के नाम ड्राफ्ट मतदाता सूची से हटाए गए हैं, उनके नाम और हटाए जाने का कारण 48 घंटे के भीतर जिला निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर सार्वजनिक किया जाए। इसके अलावा, यह सूची BLO कार्यालय, पंचायत भवन और BDO कार्यालय के बाहर भी चस्पा की जाएगी।

जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने निर्देश दिया कि हटाए गए मतदाताओं की जानकारी समाचार पत्र, टीवी और रेडियो जैसे सभी प्रमुख माध्यमों के जरिए जनता तक पहुंचाई जाए। साथ ही, मतदाता सूची में नाम जोड़ने या सुधार के लिए आधार कार्ड को एक वैध पहचान पत्र के रूप में स्वीकार करने का आदेश भी दिया गया।

तेजस्वी यादव की प्रतिक्रिया

राजद नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने इस आदेश को लोकतंत्र की जीत करार दिया। पटना में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा, "SIR को लेकर विपक्षी दलों ने संसद से लेकर विधानसभा और सड़क तक लड़ाई लड़ी। आज सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश ने हमारी मांगों पर मुहर लगा दी है। हम SIR का विरोध नहीं कर रहे थे, बल्कि उसकी प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग कर रहे थे। अब हटाए गए 65 लाख मतदाताओं के नाम कारण सहित सार्वजनिक किए जाएंगे और लोगों को इसकी जानकारी दी जाएगी।" तेजस्वी ने यह भी कहा कि चुनाव आयोग जिस जानकारी को छिपा रहा था, अब वह जनता के सामने आएगी, जिससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया मजबूत होगी।

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में बादल फटने से भारी नुकसान की आशंका

-बचाव व राहत कार्य जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के चशोती इलाके में गुरुवार को बादल फटने की घटना से अचानक बाढ़ आ गई, जिससे भारी नुकसान की आशंका जताई जा रही है। यह स्थान मचैल माता यात्रा का शुरुआती प्वाइंट माना जाता है। घटना के बाद प्रशासन ने तुरंत बचाव एवं राहत कार्य शुरू कर दिया है।

स्थानीय विधायक और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुनील शर्मा ने बताया कि गांव और आसपास के इलाके में बड़े पैमाने पर नुकसान हो सकता है। उन्होंने कहा कि अभी तक किसी के पास सटीक आंकड़े नहीं हैं, लेकिन यात्रा के लिए बनी छोटी दुकानों और गांव के कई हिस्सों को नुकसान पहुंचा है।

वहीं उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर घटना पर दुख व्यक्त करते हुए कहा, "चशोती, किश्तवाड़ में बादल फटने से व्यथित हूं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। सिविल, पुलिस, सेना, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ अधिकारियों को बचाव एवं राहत अभियान तेज करने और प्रभावितों को हर संभव सहायता देने के निर्देश दिए हैं।"

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि उन्हें सुनील कुमार शर्मा से जरूरी संदेश मिलने के बाद किश्तवाड़ के उपायुक्त पंकज कुमार शर्मा से बात की। उन्होंने बताया कि घटना में भारी जनहानि हो सकती है। प्रशासन तुरंत हरकत में आया है और बचाव दल मौके के लिए रवाना हो गए हैं। नुकसान का आकलन किया जा रहा है और आवश्यक बचाव व चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। सिंह ने हर संभव मदद का भरोसा दिया।

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में स्थिति पर कड़ी नज़र रखी जा रही है- पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के चशोती इलाके में गुरुवार को बादल फटने के बाद अचानक आई बाढ़ में भारी नुकसान की आशंका जताई जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर कहा मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में बादल फटने और बाढ़ से प्रभावित सभी लोगों के साथ हैं। स्थिति पर कड़ी नज़र रखी जा रही है। बचाव और राहत कार्य जारी है। ज़रूरतमंदों को हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी।

वहीं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि केंद्र सरकार हर परिस्थिति में जम्मू-कश्मीर के लोगों के साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने किश्तवाड़ में बादल फटने की घटना के बाद जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से फोन पर बात की है।

गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर बताया कि स्थानीय प्रशासन राहत और बचाव कार्य कर रहा है। एनडीआरएफ की टीमें तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गई हैं। हम स्थिति पर कड़ी नजर रख रहे हैं और हर परिस्थिति में जम्मू-कश्मीर के लोगों के साथ मजबूती से खड़े हैं। जरूरतमंद लोगों को हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने किश्तवाड़ के चशोती इलाके में बादल फटने की घटना पर कहा कि वहां सभी बचाव दल पहुंच गए हैं। वे वहां काम कर रहे हैं और जो भी सहयोग और सहायता आवश्यक है, वह सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। हम सभी एक दूसरे के साथ संपर्क में हैं। यदि किसी मरीज़ को इलाज के लिए दूसरे अस्पताल में भर्ती कराना पड़े तो उसकी भी व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा कि हेलीकॉप्टर के लिए मौसम अनुकूल नहीं हैं। जम्मू के डिविजनल कमिश्नर रमेश कुमार ने कहा, "हमें किश्तवाड़ में बादल फटने की सूचना मिली। SDRF, स्थानीय पुलिस और स्थानीय प्रशासन वहां पहुंच गए हैं। NDRF की टीम भी वहां पहुंचने वाली है। सेना और वायुसेना को भी सक्रिय कर दिया गया है। सभी मेडिकल टीमों को भी सक्रिय कर दिया गया है। तलाशी अभियान जारी है। राहत और बचाव कार्य जारी है, हम पूरी तत्परता से काम कर रहे हैं, मदद के लिए हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए गए हैं।

इसके अलावा, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (NDRF) की 2 टीमों को वहां भेजा गया है। स्थानीय विधायक सुनील शर्मा ने बताया कि यह घटना उस जगह पर हुई, जहां श्री मचैल यात्रा के लिए चार पहिया वाहन खड़े होते हैं और कई अस्थायी दुकानें लगी हुई हैं। एडीसी किश्तवाड़ के अनुसार, श्री मचैल यात्रा अगली सूचना तक स्थगित कर दी गई है।

स्थानीय पुलिस-प्रशासन के अलावा एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और अन्य एजेंसियां बड़े पैमाने पर राहत व बचाव कार्य जुटी हैं। एनडीआरएफ ने एक बयान में कहा कि उपकरणों से लैस दो टीमों के लगभग 180 सदस्यों को उधमपुर बेस से रवाना किया गया है।

ट्रम्प का दावा – भारत पर भारी टैरिफ से पुतिन मीटिंग को राजी हुए, बोले- हर चीज का असर होता है

वॉशिंगटन/नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि भारत पर लगाए गए 50% टैरिफ का असर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ होने वाली उनकी मीटिंग पर पड़ा है। ट्रम्प का मानना है कि इस आर्थिक दबाव की वजह से पुतिन बातचीत के लिए तैयार हुए।

फॉक्स न्यूज रेडियो से बातचीत में ट्रम्प ने कहा, "हर चीज का कुछ न कुछ असर होता है। भारी टैरिफ के कारण भारत ने रूस से तेल खरीदना लगभग बंद कर दिया है।" उन्होंने आगे कहा, "जब आप अपने दूसरे सबसे बड़े ग्राहक को खो देते हैं और पहला सबसे बड़ा ग्राहक भी खोने के कगार पर हो, तो इसका असर पड़ना तय है।"

भारत वर्तमान में रूस से प्रतिदिन 17.8 लाख बैरल कच्चा तेल खरीदता है, जो चीन के बाद दुनिया में सबसे ज्यादा है। रूस से तेल खरीद को लेकर ही ट्रम्प प्रशासन ने भारत पर 50% टैरिफ लगाया है।

पुतिन मीटिंग के फेल होने के 25% चांस

ट्रम्प ने यह भी कहा कि 15 अगस्त को अलास्का में होने वाली उनकी पुतिन से मुलाकात असफल होने की संभावना मात्र 25% है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह बैठक असल में एक बड़ी बैठक की तैयारी है, जिसमें यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की भी मौजूद होंगे। उसी बैठक में यूक्रेन युद्ध खत्म करने के समझौते की संभावना है।

जंग खत्म करने का मकसद

ट्रम्प और पुतिन की यह मुलाकात अमेरिका की जमीन पर पहली बार होगी। मुख्य उद्देश्य है—साढ़े तीन साल से जारी यूक्रेन युद्ध को समाप्त करना। बैठक से पहले ही ट्रम्प ने पुतिन को चेतावनी दी थी कि अगर वे बातचीत के बाद भी जंग खत्म करने पर सहमत नहीं होते, तो उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

दिल्ली में आवारा कुत्तों पर सुप्रीम कोर्ट में हुई अहम सुनवाई

-आदेश पर रोक लगाने पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में आवारा कुत्तों के बढ़ते मामलों पर सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों वाली विशेष पीठ जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एनवी अंजारिया ने गुरुवार को सुनवाई की। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता, वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी ने अपने-अपने पक्ष रखे।

देश में आवारा कुत्तों के हमले गंभीर समस्या

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि देश में आवारा कुत्तों के हमले गंभीर समस्या बन चुके हैं। उन्होंने बताया कि हर साल करीब 37 लाख और प्रतिदिन लगभग 10 हजार लोग कुत्तों के काटने का शिकार होते हैं, जबकि 305 लोगों की मौत भी रेबीज संक्रमण के कारण हुई है। उन्होंने कहा कि कोई भी जानवरों से नफरत करने वाला नहीं है, हम उन्हें मारने के हिमायती नहीं हैं, लेकिन उन्हें मानव बस्तियों से थोड़ा अलग रखना जरूरी है, ताकि बच्चों और बुजुर्गों के लिए सड़कें सुरक्षित रह सकें।

मेहता ने यह भी कहा कि कई लोग अपने घरों में मांसाहार का सेवन करते हुए खुद को पशु प्रेमी बताते हैं और सड़कों पर आवारा कुत्तों को खिलाते हैं, जिससे समस्या बढ़ रही है।

अधिक भीड़ से शेल्टर में कुत्तों के बीच झगड़े और हिंसा बढ़ सकती है

कपिल सिब्बल ने सॉलिसिटर जनरल के तर्कों पर आपत्ति जताते हुए कहा कि आवारा कुत्तों को पकड़ने के बाद उनके पुनर्वास, नसबंदी और टीकाकरण के लिए समय और उचित ढांचे की आवश्यकता होती है, जो वर्तमान में उपलब्ध नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि सुप्रीम कोर्ट के पिछले आदेश के बाद स्थानीय प्रशासन ने कुत्तों को पकड़ना शुरू कर दिया है, जबकि शेल्टर होम पहले से ही भरे हुए हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अधिक भीड़ से शेल्टर में कुत्तों के बीच झगड़े और हिंसा बढ़ सकती है, और बाद में छोड़े जाने पर वे और अधिक आक्रामक हो सकते हैं। सिब्बल ने आशंका जताई कि ऐसे चिड़चिड़े कुत्तों को बाद में खतरनाक बताकर मार दिया जाएगा।

सिब्बल ने जवाब दिया कि प्रशासन कुत्तों को पकड़कर पहले से भरे शेल्टर में ठूंस रहा है

जस्टिस विक्रम नाथ ने सिब्बल से सवाल किया कि क्या आपका कहना है कि प्रशासन आदेश का इंतजार ही कर रहा था और जैसे ही आदेश आया, उन्होंने पकड़ना शुरू कर दिया? इस पर सिब्बल ने जवाब दिया कि प्रशासन वाकई कुत्तों को पकड़कर पहले से भरे शेल्टर में ठूंस रहा है।

इस समस्या की सबसे बड़ी वजह जिम्मेदार विभागों की लापरवाही

अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि सरकार को एबीसी (एनिमल बर्थ कंट्रोल) नियमों का पालन करना चाहिए, जिसमें स्ट्रीट डॉग्स को स्टेरलाइज और वैक्सीनेट कर पुनर्वास करने का प्रावधान है। उन्होंने सवाल उठाया कि अचानक 24 से 48 घंटे में कुत्तों को पकड़कर शेल्टर में डालने का आदेश कैसे दिया जा सकता है?

सुनवाई के दौरान पीठ ने माना कि इस समस्या की सबसे बड़ी वजह जिम्मेदार विभागों की लापरवाही है और स्थानीय प्राधिकरण वह काम नहीं कर रहे, जो उन्हें करना चाहिए था। सुप्रीम कोर्ट ने यह कहते हुए आदेश सुरक्षित रख लिया कि वह विचार करेगा कि क्या पिछले आदेश के दिशानिर्देशों पर रोक लगाई जाए या नहीं।

बीजापुर में माओवादियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, स्मारक ध्वस्त, हथियार और विस्फोटक बरामद

नई दिल्ली (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में माओवादी विरोधी अभियान के तहत सुरक्षा बलों ने बड़ी कार्रवाई करते हुए माओवादियों के स्मारक को ध्वस्त किया है। इस दौरान भारी मात्रा में विस्फोटक व हथियार बरामद किए गए। यह कार्रवाई थाना पामेड़ और तर्रेम क्षेत्र में संचालित दो अलग-अलग अभियानों के दौरान हुई।

थाना पामेड़ क्षेत्र में कोबरा 208, केरिपु 228 और जिला सुकमा से आई कोबरा 203 की संयुक्त टीम ने माओवादी विरोधी अभियान के तहत गुंडराजगुड़ेम, बड़सेनपल्ली, मंगलतोर और उड़तामल्ला की ओर सघन सर्च ऑपरेशन चलाया। इस दौरान ग्राम उड़तामल्ला के जंगलों में माओवादियों द्वारा निर्मित स्मारक को सुरक्षा बलों ने ध्वस्त कर दिया।

वहीं, थाना तर्रेम क्षेत्र में जिला बल, थाना तर्रेम और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (केरिपु) की 170वीं बटालियन की संयुक्त टीम ने कोमटपल्ली के जंगलों में सर्चिंग अभियान चलाया। इस अभियान में सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली और माओवादियों के छिपाए गए हथियार व विस्फोटक बरामद हुए। बरामद सामग्री में भरमार बंदूक, बीजीएल राउंड एवं रॉड, बीजीएल पार्ट्स, विस्फोटक निर्माण सामग्री, एम्युनेशन पोच, विभिन्न आकार के प्रेशर कुकर, आरी ब्लेड और स्पीकर शामिल हैं।

अधिकारियों के मुताबिक, क्षेत्र में कैंप स्थापना के बाद माओवादियों के स्मारक, अस्थायी ठिकाने और ट्रेनिंग कैंप को नष्ट किया गया है। यह कार्रवाई माओवादी नेटवर्क को कमजोर करने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। सुरक्षा बलों ने बताया कि इलाके में लगातार गश्त और सर्चिंग जारी रहेगी, ताकि आम नागरिकों में सुरक्षा और विश्वास का माहौल बना रहे और माओवादी गतिविधियों को जड़ से खत्म किया जा सके।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सलवाद से मुक्त करने की बात कही है। उन्होंने नक्सलियों से भी अपील की कि वह मोदी सरकार की आत्मसमर्पण नीति को अपनाकर यथाशीघ्र हथियार डालें और मुख्यधारा में शामिल हों।

राजस्थान यूनिवर्सिटी में भूख हड़ताल पर बैठे छात्र नेता को पुलिस ने जबरन उठाया, बोले- आंदोलन जारी रहेगा

जयपुर। राजस्थान यूनिवर्सिटी में छात्रसंघ चुनाव बहाल करने की मांग को लेकर जारी विरोध प्रदर्शन गुरुवार को उस समय उग्र हो गया, जब पुलिस ने भूख हड़ताल पर बैठे छात्र नेता शुभम रेवाड़ को जबरन हिरासत में लेकर आमरण अनशन तुड़वा दिया। शुभम पिछले चार दिनों से यूनिवर्सिटी के मुख्य गेट पर भूख हड़ताल पर बैठे थे।

पुलिस-छात्रों में बहस और झड़प

गुरुवार दोपहर करीब 2:10 बजे पुलिस टीम मौके पर पहुंची और अनशन खत्म करने का आदेश दिया। इस पर छात्रों और पुलिस के बीच करीब 30 मिनट तक बहस चली। शुभम को हिरासत में लेने को लेकर मामूली झड़प भी हुई। अंततः 2:40 बजे पुलिस शुभम को सवाई मानसिंह हॉस्पिटल के इमरजेंसी वार्ड ले गई, जहां लिक्विड ड्रिप के जरिए उनका अनशन खत्म करवाया गया। करीब एक घंटे बाद, 3:40 बजे, शुभम को छोड़ दिया गया।

छात्र नेता का आरोप: चुनाव टालने की सलाह दे रहा प्रशासन

शुभम रेवाड़ ने आरोप लगाया कि यूनिवर्सिटी प्रशासन ने एडमिशन फीस के साथ चुनावी शुल्क भी वसूला था, लेकिन चुनाव कराने की बजाय सरकार को इन्हें टालने की सलाह दे रहा है। उन्होंने कहा, "लंबे समय से छात्र चुनाव की मांग कर रहे हैं। यहां तक कि पूर्व छात्र संघ पदाधिकारी, सांसद, विधायक और पूर्व मुख्यमंत्री भी इसके समर्थन में हैं, लेकिन प्रशासन चुप है।"

'आंदोलन अब और तेज होगा'

शुभम ने स्पष्ट किया कि वह पीछे हटने वाले नहीं हैं। "जब तक पर्ची सरकार राजस्थान के लाखों युवाओं की उम्मीदों के मुताबिक छात्रसंघ चुनाव बहाल नहीं करती, मेरा आंदोलन जारी रहेगा। आम छात्रों के साथ मिलकर हम फिर से अपनी मांग जोरदार तरीके से रखेंगे।"

राजस्थान यूनिवर्सिटी में छात्रसंघ चुनाव 2020 से स्थगित हैं। इस बार आंदोलन की आग न केवल कैंपस बल्कि सड़कों तक पहुंच चुकी है।

सीएम नीतीश कुमार ने बिहार के बाढ़ प्रभावित इलाकों का किया हवाई सर्वेक्षण

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को राज्य के बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को राहत व बचाव कार्य तेज करने के निर्देश दिए। गंगा और कोसी समेत कई नदियों का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया है, जिससे हालात गंभीर बने हुए हैं। मुख्यमंत्री के साथ जल संसाधन मंत्री विजय चौधरी और वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। उन्होंने भागलपुर, भोजपुर, बेगूसराय और खगड़िया जैसे सबसे ज्यादा प्रभावित जिलों का निरीक्षण किया। खराब मौसम के कारण यह सर्वेक्षण एक दिन देरी से हुआ। जल संसाधन विभाग के मुताबिक राज्य के 24 जिलों में अब तक 17 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं और कई जगह 'येलो' व 'ऑरेंज' अलर्ट जारी है। गंगा समेत 10 नदियां उफान पर हैं, जिससे निचले इलाकों में पानी भर गया है और हजारों लोग विस्थापित हुए हैं। सीएम नीतीश कुमार अपने आवास पर अधिकारियों के साथ लगातार बैठक कर हालात की निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने समय पर लोगों की निकासी, राहत सामग्री वितरण और चिकित्सा सहायता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा, "सरकार जनता की परेशानियों को कम करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।" वहीं भारतीय मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों में और बारिश की चेतावनी दी है, जिससे स्थिति और बिगड़ सकती है। पटना मौसम केंद्र ने राज्यभर में अगले 3-4 दिनों तक हल्की से भारी बारिश के साथ गरज-चमक की संभावना जताई है। गंगा, कोसी और बागमती समेत कई नदियां कई स्थानों पर खतरे के करीब बह रही हैं। पिछले 24 घंटों में खगड़िया जिला सबसे ज्यादा प्रभावित रहा, जहां 206 मिमी बारिश दर्ज हुई। खगड़िया के मंसी में 188.6 मिमी, सारण के परसा में 157.4 मिमी, किशनगंज के तैबपुर में 135.2 मिमी और अररिया के रानीगंज में 122.4 मिमी बारिश हुई। पूर्णिया, रोहतास और बेगूसराय में 76-98 मिमी बारिश हुई, जिससे नदियों का जलस्तर और बढ़ गया।

वहीं बिहार की राजधानी पटना में बुधवार को 29.1 मिमी बारिश दर्ज की गई और कई इलाकों जैसे कंकरबाग, पटना जंक्शन, दानापुर और पटना सिटी में जलभराव की समस्या रही। अगले 24 घंटों में यहां हल्की से मध्यम बारिश और गरज-चमक के आसार हैं। मौसम विभाग ने उत्तर बिहार के जिलों किशनगंज, अररिया और सुपौल में भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। साथ ही पटना, गया, भागलपुर और दक्षिण बिहार के अन्य जिलों में 30-40 किमी/घंटा की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना जताई है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

चीन के प्रति ट्रम्प की नरमाई से भारत के लिए सबक

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का हालिया फैसला कि चीन पर प्रस्तावित टैरिफ वृद्धि अगले तीन माह तक स्थगित की जाएगी, वैश्विक राजनीति और व्यापार रणनीति के कई संकेत देता है। ट्रम्प ने इसे 'ट्रेड डील को मौका देने' का कारण बताया, लेकिन इसकी पृष्ठभूमि में छिपी परतें कहीं ज्यादा गहरी और बहुआयामी हैं। यह समझना होगा कि आखिर वह कौन-से दबाव या परिस्थितियां थीं, जिन्होंने ट्रम्प को अपने अब तक के आक्रामक रुख से कुछ कदम पीछे हटने पर मजबूर किया। सबसे पहले, कृषि व्यापार के मोर्चे पर चीन का रुख ट्रम्प के लिए एक स्पष्ट संदेश था। पिछले तीन वर्षों में चीन ने अमेरिकी सोयाबीन की खरीद लगभग एक-तिहाई कर दी और यह इशारा भी दे दिया कि वह ब्राजील से आयात बढ़ा सकता है। यह बदलाव केवल व्यापारिक आंकड़ों का मामला नहीं था, बल्कि अमेरिकी किसानों और कृषि लॉबी पर सीधे दबाव का साधन था। अमेरिका के मध्य-पश्चिमी राज्यों, जो ट्रम्प के राजनीतिक समर्थन का अहम आधार हैं, वहां किसानों की नाराजगी ट्रम्प के लिए चुनावी खतरा बन सकती थी। दूसरा अहम कारण 'रेयर-अर्थ' तत्वों की आपूर्ति पर चीन का अप्रत्यक्ष दबाव था। ये दुर्लभ धातुएं अमेरिकी उच्च-प्रौद्योगिकी और रक्षा उद्योग के लिए रीढ़ की हड्डी जैसी हैं। चीन इस सप्लाई चेन का सबसे बड़ा स्रोत है। अगर यह आपूर्ति बाधित होती, तो अमेरिकी उद्योग गंभीर संकट में पड़ सकता था, जिसकी भरपाई तत्काल संभव नहीं थी। इस खतरे ने ट्रम्प प्रशासन के सामने एक स्पष्ट विकल्प रखा—या तो व्यापार युद्ध को और तेज कर घरेलू उद्योग को जोखिम में डालना, या फिर बातचीत की टेबल पर लौटना। तीसरा पहलू अंतरराष्ट्रीय दबाव का है। यूरोप, खासकर फ्रांस और जर्मनी, ट्रम्प की चीन-नीति पर झुकने को तैयार नहीं थे। अमेरिकी रणनीति को समर्थन देने की बजाय उन्होंने अपने स्वतंत्र आर्थिक हितों को प्राथमिकता दी। यही नहीं, ब्राजील की कृषि ताकत ने भी अमेरिकी विकल्पों को सीमित किया। ब्राजील, जो पहले अमेरिका के साथ कई मुद्दों पर करीब था, अब यूरोप और चीन को बड़े पैमाने पर कृषि निर्यात कर रहा है। भारत के साथ ट्रम्प का समीकरण भी इस परिप्रेक्ष्य में दिलचस्प है। भारत, अमेरिका से जीएम सोयाबीन और मक्का को सस्ते पशु-आहार के रूप में जरूर खरीद सकता है, लेकिन अमेरिकी डेयरी उत्पाद खरीदने का सवाल नहीं उठता, क्योंकि यह घरेलू किसानों और दुग्ध उद्योग के लिए संवेदनशील मसला है। साथ ही, भारत रूस के साथ अपने सामरिक और ऊर्जा संबंधों को कमजोर नहीं कर सकता। ऐसे में, चीन या ब्राजील की तरह ट्रम्प को समझौते के मोड में लाने के लिए भारत के पास वैसी आर्थिक 'लेवर' फिलहाल नहीं है। ट्रम्प की राजनीति में यह स्पष्ट है कि वे केवल सौहार्द्र, पुराने रिश्तों या राजनयिक शिष्टाचार से प्रभावित नहीं होते। उनके लिए समझौते की कीमत ठोस आर्थिक और रणनीतिक लाभ में निहित होती है। यही कारण है कि आगामी संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक के बाद मोदी-ट्रम्प मुलाकात से भारत के लिए त्वरित या बड़े बदलाव की उम्मीद करना कठिन होगा।

रूस के साथ हमारे बेहद महत्वपूर्ण रक्षा-संबंध और अमेरिका की नाराज़गी

-ट्रम्प के 50% टैरिफ ने भारत-अमेरिका रिश्तों में खटास क्यों डाली

भारत और रूस के रिश्ते सिर्फ़ कूटनीतिक औपचारिकताओं तक सीमित नहीं रहे, बल्कि दशकों से दोनों देशों के बीच गहरी रक्षा, ऊर्जा और तकनीकी साझेदारी रही है। भारत के सैन्य हथियारों, विमानों, पनडुब्बियों, मिसाइल सिस्टम और यहां तक कि अंतरिक्ष कार्यक्रम में भी रूस (पहले सोवियत संघ) का अहम योगदान रहा है।

लेकिन, जब अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत से आयातित कुछ उत्पादों पर 50% तक का टैरिफ लगाने का फैसला किया, तो यह सिर्फ़ एक आर्थिक निर्णय नहीं था — यह एक राजनीतिक संदेश था। संदेश यह कि, "रूस के साथ नज़दीकियां तुम्हें महंगी पड़ेंगी।"

भारत-रूस रक्षा संबंध: आधी सदी का भरोसा

भारत और रूस के रिश्तों की जड़ें 1960 के दशक में गहरी हुईं, जब भारत ने पश्चिमी दुनिया से हथियार और तकनीक पाने में कठिनाइयाँ देखीं। उस वक्त सोवियत संघ ने भारत को न केवल सस्ती कीमत पर हथियार उपलब्ध कराए, बल्कि टेक्नोलॉजी ट्रांसफर की पेशकश भी की। मिग-21 से सुखोई तक: भारत के वायुसेना बेड़े का बड़ा हिस्सा आज भी रूसी विमानों पर टिका है। ब्रह्मोस मिसाइल: भारत-रूस संयुक्त प्रयास से बनी यह सुपरसोनिक क्रूज़ मिसाइल दुनिया की सबसे तेज़ मिसाइलों में गिनी जाती है। S-400 एयर डिफेंस सिस्टम: रूस से भारत की ये डील अमेरिका को सबसे ज़्यादा चुभ रही है, क्योंकि यह अमेरिकी हथियार बाज़ार को दरकिनार करती है। रूस ने हमेशा भारत को सिर्फ़ "ग्राहक" नहीं माना, बल्कि साझेदार समझा। जबकि अमेरिका का इतिहास इस मामले में उतना भरोसेमंद नहीं रहा — वह अपनी रणनीतिक प्राथमिकताओं के हिसाब से डील करता है।

ट्रम्प का 50% टैरिफ: आर्थिक वार या राजनीतिक हथकंडा?

2018 में ट्रम्प प्रशासन ने "अमेरिका फर्स्ट" नीति के तहत कई देशों पर आयात शुल्क बढ़ाए। भारत के स्टील, एल्युमीनियम, और कुछ मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स पर टैरिफ 50% तक बढ़ा दिया गया। भारतीय विदेश मंत्रालय ने इसे "अनुचित, अन्यायपूर्ण और अतार्किक" कहा।

भारत का तर्क साफ़ था: रूस से हमारा आयात हमारी कर्जा सुरक्षा और ऊर्जा सुरक्षा के लिए ज़रूरी है। हम किसी का पक्ष लेकर नहीं, बल्कि राष्ट्रीय हित के आधार पर फैसले लेते हैं। लेकिन ट्रम्प के इस कदम में एक साफ़ इशारा था — भारत को रूस से हथियार खरीदने और ऊर्जा साझेदारी के लिए "सज़ा" दी जा रही थी।

डबल स्टैंडर्ड का खेल: बाकी देश तो बच निकले

अगर रूस से व्यापार करना ही गुनाह था, तो फिर चीन, तुर्किये, और यूरोप क्यों बच गए?

चीन: अमेरिका के साथ ट्रेड वार के बावजूद, उसने रूस से तेल और गैस खरीदना जारी रखा।

तुर्किये: NATO का सदस्य होते हुए भी रूस से S-400 खरीदी, लेकिन अमेरिका ने सिर्फ़ प्रतीकात्मक सज़ा दी।

यूरोप: जर्मनी समेत कई यूरोपीय देश रूस से प्राकृतिक गैस खरीदते रहे — और ट्रम्प ने इनके खिलाफ़ कठोर आर्थिक कार्रवाई नहीं की। यह सवाल भारत के कूटनीतिज्ञों को परेशान करता रहा कि "नियम सबके लिए एक जैसे क्यों नहीं?"

अमेरिका की नाराज़गी के पीछे के असल कारण

ट्रम्प प्रशासन की नाराज़गी सिर्फ़ रूस के साथ भारत की डील तक सीमित नहीं थी। इसके पीछे कई परतें थीं: हथियार बाज़ार में प्रतिस्पर्धा: अमेरिका चाहता है कि भारत उसके F-21, F-35 जैसे विमानों को खरीदे, न कि रूसी सुखोई या मिग। ऊर्जा का भू-राजनीतिक खेल: अमेरिका अपने शेल गैस और क्रूड ऑयल को भारत को बेचना चाहता था, जबकि भारत रूस से सस्ती डील कर रहा था। चीन को घेरने की रणनीति: अमेरिका चाहता था कि भारत, चीन-विरोधी गठबंधन में पूरी तरह शामिल हो, और रूस के साथ तालमेल इसमें बाधा बन रहा था।

भारत की ऊर्जा और कर्जा सुरक्षा की मजबूरी

भारत की अर्थव्यवस्था तेज़ी से बढ़ रही है, और इसके लिए ऊर्जा की भारी ज़रूरत है। रूस से तेल और गैस खरीदना भारत को दो बड़े फायदे देता है: सस्ता आयात: रूस, भारत को पश्चिमी बाज़ारों से कम दाम पर तेल देता है। स्थिर सप्लाई: राजनीतिक संकटों के बावजूद रूस ने सप्लाई चेन में भरोसेमंदी दिखाई है। इसके अलावा, रूस के साथ भुगतान रुपया-रूबल मैकेनिज़्म में होता है, जिससे डॉलर पर निर्भरता घटती है और विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव कम होता है।

अमेरिका बनाम रूस: भारत का संतुलन साधने का खेल

भारत के लिए सबसे मुश्किल चुनौती है "रणनीतिक संतुलन"। एक तरफ़ अमेरिका है, जो दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और तकनीकी ताक़त है, और जो क्वाड जैसे मंचों पर भारत का अहम पार्टनर है। दूसरी तरफ़ रूस है, जो दशकों से भारत का भरोसेमंद रक्षा साझेदार रहा है। भारत इस समय "मल्टी-अलाइनमेंट" नीति पर चल रहा है — यानी किसी एक ब्लॉक में पूरी तरह बंधे बिना, दोनों से रिश्ते बनाए रखना।

कूटनीतिक जवाब: भारत की रणनीति

भारत ने अमेरिका को यह संदेश देने की कोशिश की कि रूस के साथ उसका रिश्ता किसी के खिलाफ़ नहीं, बल्कि अपने राष्ट्रीय हित के लिए है। हथियार विविधता: भारत अब इज़राइल, फ्रांस, अमेरिका और रूस — चारों से हथियार ले रहा है ताकि किसी एक पर निर्भर न रहे। ऊर्जा स्रोतों का विस्तार: रूस के साथ-साथ मध्य-पूर्व, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका से भी तेल और गैस आयात बढ़ाया जा रहा है। उच्च-स्तरीय वार्ता: 2+2 डायलॉग जैसे मंचों पर अमेरिका को समझाया जा रहा है कि भारत का रूस के साथ व्यापार चीन को मज़बूत करने के बजाय भारत को मज़बूत करता है।

ट्रम्प के कदम का दीर्घकालिक असर

50% टैरिफ ने भारत-अमेरिका के आर्थिक रिश्तों को अस्थायी तौर पर ठंडा कर दिया, लेकिन इसने भारत को एक बड़ा सबक दिया — "एक ही साझेदार पर कभी पूरी तरह भरोसा मत करो।" इसका नतीजा यह हुआ कि भारत ने न सिर्फ़ अपने व्यापार साझेदारों की संख्या बढ़ाई, बल्कि मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियानों को तेज़ किया, ताकि आयात पर निर्भरता घटाई जा सके।

भविष्य की राह

भारत को आने वाले समय में दोहरी रणनीति अपनानी होगी: रूस के साथ रक्षा और ऊर्जा साझेदारी को बनाए रखना, क्योंकि यह हमारी सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता के लिए अहम है। अमेरिका के साथ तकनीकी, निवेश और रणनीतिक साझेदारी को गहराना, ताकि चीन जैसी चुनौतियों का मुकाबला किया जा सके। अमेरिका को भी यह समझना होगा कि भारत कोई "जूनियर पार्टनर" नहीं, बल्कि एक स्वतंत्र रणनीतिक ताक़त है। टैरिफ और पेनल्टी जैसे दबाव भारत को झुकाने के बजाय, उसे और मज़बूती से खड़े होने की प्रेरणा देंगे।

डबल स्टैंडर्ड का खेल: बाकी देश तो बच निकले

अमेरिका का यह तर्क कि रूस के साथ व्यापार करने वालों पर सख़्त कदम उठाए जाएंगे, व्यवहार में आधा-अधूरा दिखा। उदाहरण के लिए, यूरोपीय संघ के देशों ने 2022 तक रूस से प्राकृतिक गैस का 40% तक आयात जारी रखा। जर्मनी ने नॉर्ड स्ट्रीम 2 पाइपलाइन प्रोजेक्ट को तब तक रोके रखा जब तक यूक्रेन संकट नहीं बढ़ा, लेकिन उस पर कोई आर्थिक प्रतिबंध या टैरिफ ट्रम्प प्रशासन ने नहीं लगाया। तुर्किये ने तो खुलेआम रूस से S-400 मिसाइल सिस्टम खरीदा, जो NATO की सैन्य प्रणाली से मेल नहीं खाता। अमेरिका ने उसे सिर्फ़ F-35 प्रोजेक्ट से बाहर किया, लेकिन भारी आर्थिक टैरिफ नहीं लगाए। इसके विपरीत, भारत को न केवल टैरिफ झेलना पड़ा, बल्कि CAATSA कानून के तहत संभावित पेनल्टी की धमकी भी दी गई। यह साफ़ दिखाता है कि भारत को अलग-थलग करने की कोशिश की गई, शायद इसलिए क्योंकि भारत का रूस के साथ रक्षा समझौता अमेरिकी हथियार उद्योग के मुनाफ़े पर सीधा असर डाल रहा था।

भारत की ऊर्जा और कर्जा सुरक्षा की मजबूरी

भारत की ऊर्जा ज़रूरतें हर साल बढ़ रही हैं — 2024 में भारत ने 5.4 मिलियन बैरल प्रतिदिन तेल का उपभोग किया, जो दुनिया में तीसरे नंबर पर है। रूस, भारत को पश्चिमी देशों से 25–30% सस्ता तेल दे रहा है, जिससे अरबों डॉलर की बचत होती है। इसके अलावा, रुपया-रूबल मैकेनिज़्म भारत को डॉलर की विनिमय दर में उतार-चढ़ाव से बचाता है। यही कारण है कि भारत, IMF के अनुसार, 2024-25 में भी रूस से ऊर्जा आयात में कमी नहीं करेगा, चाहे पश्चिमी दबाव कितना भी बढ़ जाए। भारत को आने वाले दशक में दोहरी रणनीति अपनानी होगी — रक्षा और ऊर्जा में रूस के भरोसेमंद साझेदार को बनाए रखना तकनीक, निवेश और इंडो-पैसिफ़िक सुरक्षा में अमेरिका के **साथ मज़बूत रिश्ते बनाना**

अमेरिका को समझना होगा कि भारत, किसी का जूनियर पार्टनर नहीं बल्कि समान दर्जे का साझेदार है, जो अपने राष्ट्रीय हित में निर्णय लेता है। टैरिफ और पेनल्टी से भारत झुकेगा नहीं — बल्कि यह उसे और आत्मनिर्भर और बहु-साझेदारी नीति की तरफ़ ले जाएगा।

"15 अगस्त: स्वतंत्रता का पर्व और भारत की अमर गाथा"

-1857 का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम – आज़ादी की पहली चिंगारी

15 अगस्त 1947 — यह तारीख भारतीय इतिहास के स्वर्ण अक्षरों में दर्ज है। यह वह दिन है जब सदियों की गुलामी, संघर्ष, कुर्बानी और बलिदान के बाद भारत ने स्वतंत्रता की सांस ली। अंग्रेज़ों की हुकूमत, जो लगभग दो सौ साल तक हमारे देश पर राज करती रही, अंततः समाप्त हुई और भारत एक स्वतंत्र राष्ट्र बना। यह केवल एक राजनीतिक स्वतंत्रता नहीं थी, बल्कि यह करोड़ों भारतीयों के आत्मसम्मान, स्वाभिमान और अधिकारों की पुनः स्थापना का दिन था। 15 अगस्त का महत्व केवल इतिहास तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आज भी हमारे राष्ट्रीय जीवन, लोकतांत्रिक व्यवस्था और एकता के लिए प्रेरणास्रोत है।

गुलामी का दौर और संघर्ष की शुरुआत

भारत में अंग्रेज़ों का आगमन ईस्ट इंडिया कंपनी के रूप में हुआ, लेकिन धीरे-धीरे उन्होंने व्यापार के बहाने राजनीतिक नियंत्रण स्थापित किया। 1757 की प्लासी की लड़ाई और 1764 की बक्सर की लड़ाई के बाद अंग्रेज़ों का प्रभुत्व तेज़ी से बढ़ा। उन्होंने भारतीय रियासतों को आपस में लड़वाकर, 'फूट डालो और राज करो' की नीति अपनाई। 19वीं शताब्दी में किसान, मजदूर, कारीगर और आम जनता अंग्रेज़ी नीतियों से परेशान हो चुके थे। आर्थिक शोषण, सांस्कृतिक हस्तक्षेप और धार्मिक मामलों में दखल ने असंतोष को और भड़का दिया। इसका परिणाम 1857 का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम था, जिसमें मंगल पांडे, रानी लक्ष्मीबाई, बेगम हज़रत महल, तात्या टोपे जैसे वीरों ने अंग्रेज़ी सत्ता को चुनौती दी। हालांकि यह विद्रोह दबा दिया गया, लेकिन इसने स्वतंत्रता की नींव रख दी।

आज़ादी की ज्वाला और राष्ट्रीय आंदोलन

1857 के बाद भी संघर्ष जारी रहा। 20वीं शताब्दी के शुरुआती वर्षों में बाल गंगाधर तिलक, लाला लाजपत राय, बिपिन चंद्र पाल ने स्वदेशी आंदोलन और बहिष्कार का बिगुल बजाया। महात्मा गांधी के नेतृत्व में आज़ादी की लड़ाई ने एक नया मोड़ लिया। सत्याग्रह, असहयोग आंदोलन, दांडी मार्च, भारत छोड़ो आंदोलन ने ब्रिटिश सरकार की नींव हिला दी। सुभाष चंद्र बोस ने आज़ाद हिंद फौज के जरिए हथियारबंद संघर्ष का नेतृत्व किया। भगत सिंह, चंद्रशेखर आज़ाद, राजगुरु, सुखदेव जैसे क्रांतिकारियों ने अपने प्राणों की आहुति देकर युवाओं में जोश भर दिया। इन सबके प्रयासों ने अंग्रेज़ों को मजबूर कर दिया कि वे भारत को स्वतंत्र करें।

15 अगस्त 1947 – वह ऐतिहासिक क्षण

14 अगस्त 1947 की आधी रात को पंडित जवाहरलाल नेहरू ने संसद भवन में "Tryst with Destiny" भाषण देकर आज़ादी का एलान किया। ठीक मध्यरात्रि 12 बजे भारत एक स्वतंत्र राष्ट्र बन गया। ब्रिटिश झंडे की जगह तिरंगा लहराया गया। यह क्षण केवल राजनीतिक परिवर्तन नहीं था, बल्कि यह करोड़ों भारतीयों के सपनों की जीत थी।

स्वतंत्रता दिवस मनाने की परंपरा

हर साल 15 अगस्त को देशभर में बड़े हर्षोल्लास के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है। दिल्ली के लाल किले पर प्रधानमंत्री तिरंगा फहराते हैं और राष्ट्र को संबोधित करते हैं। सेना के तीनों अंगों द्वारा भव्य परेड, सांस्कृतिक कार्यक्रम, देशभक्ति गीत और स्कूल-कॉलेजों में आयोजन इस दिन को खास बनाते हैं। गांव-गांव में झंडारोहण, देशभक्ति कविताएं, नाटक और झांकी के माध्यम से आज़ादी के संघर्ष को याद किया जाता है।

स्वतंत्रता के बाद चुनौतियां

आज़ादी पाना आसान नहीं था, और उसे बनाए रखना उससे भी कठिन। स्वतंत्रता के तुरंत बाद भारत को विभाजन का दर्द झेलना पड़ा। लाखों लोग विस्थापित हुए, सांप्रदायिक हिंसा में असंख्य जानें गईं। नई सरकार के सामने संविधान निर्माण, शरणार्थियों का पुनर्वास, आर्थिक पुनर्निर्माण और राष्ट्रीय एकता जैसी बड़ी चुनौतियां थीं। डॉ. भीमराव अंबेडकर की अध्यक्षता में संविधान सभा ने एक ऐसा संविधान तैयार किया जिसने भारत को एक लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में स्थापित किया।

आज के दौर में 15 अगस्त का महत्व

आज स्वतंत्रता दिवस केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह हमें याद दिलाता है कि आज़ादी की कीमत बहुत बड़ी है। यह दिन हमें प्रेरित करता है: देश की एकता और अखंडता बनाए रखने के लिए।

लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए। सामाजिक समानता और आर्थिक न्याय स्थापित करने के लिए। भ्रष्टाचार, जातिवाद, सांप्रदायिकता और अन्य बुराइयों के खिलाफ खड़े होने के लिए।

आने वाली पीढ़ियों के लिए संदेश

युवाओं के लिए 15 अगस्त एक प्रेरणा का दिन है। आज़ादी के बाद हमें जो अधिकार मिले हैं, वे कर्तव्यों के साथ आते हैं। हमें अपने इतिहास को जानना, स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को समझना और देश के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाना ज़रूरी है। शिक्षा, विज्ञान, तकनीक, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सुधार जैसे क्षेत्रों में युवाओं की भूमिका निर्णायक है। आज का युवा अगर जिम्मेदारी से आगे बढ़े तो भारत को दुनिया का सबसे मजबूत और उन्नत राष्ट्र बनाया जा सकता है।

15 अगस्त केवल एक तारीख नहीं है, यह एक भावना है, एक संकल्प है और एक प्रेरणा है। यह उन करोड़ों भारतीयों के खून, पसीने और बलिदान का प्रतीक है जिन्होंने आज़ादी के लिए अपना सब कुछ न्योछावर कर दिया। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि स्वतंत्रता की रक्षा निरंतर प्रयास और एकजुटता से ही संभव है। हर नागरिक का यह कर्तव्य है कि वह अपने देश की गरिमा, संस्कृति और मूल्यों की रक्षा करे, और भारत को विश्व में गौरव दिलाए। 15 अगस्त केवल एक तारीख नहीं है, यह एक भावना है, एक संकल्प है और एक प्रेरणा है। यह उन करोड़ों भारतीयों के खून, पसीने और बलिदान का प्रतीक है जिन्होंने आज़ादी के लिए अपना सब कुछ न्योछावर कर दिया। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि स्वतंत्रता की रक्षा निरंतर प्रयास और एकजुटता से ही संभव है।

मौलवी अहमदुल्ला शाह फैज़ाबादी: 1857 की क्रांति के अद्वितीय सिपहसालार और अमर शहीद

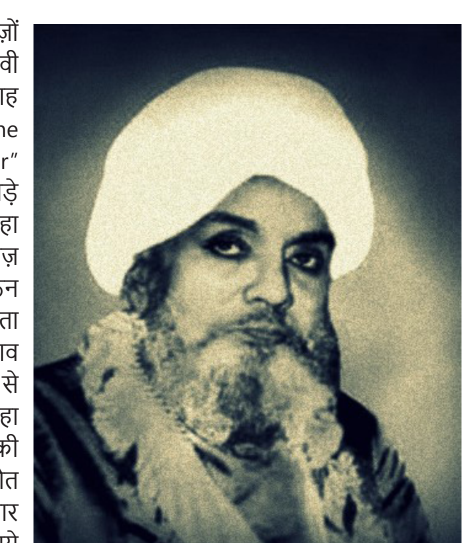

1857 की आज़ादी की जंग भारतीय इतिहास का वह सुनहरा अध्याय है, जिसमें असंख्य वीरों ने अपने प्राणों की आहुति दी। इस क्रांति के सेनानायकों में एक नाम ऐसा है, जो अपने साहस, नेतृत्व और अद्वितीय बलिदान के लिए हमेशा अमर रहेगा — मौलवी अहमदुल्ला शाह फैज़ाबादी। उन्हें इतिहास में फकीरे-ए-हिंद और मौलवी साहब के नाम से भी जाना जाता है। वे न सिर्फ धार्मिक विद्वान थे, बल्कि दूरदर्शी रणनीतिकार और अद्वितीय योद्धा भी थे। 1857 की क्रांति में फैज़ाबाद, लखनऊ और अवध क्षेत्र में उन्होंने अंग्रेज़ों के खिलाफ मोर्चा संभालकर क्रांति को एक मज़बूत दिशा दी। उनकी शहादत के बाद अंग्रेज़ों ने उनके शरीर को तोप से उड़ाकर यह संकेत देना चाहा कि उनकी क्रांति की चिनगारी भी मिटा दी जाए, लेकिन इतिहास ने उन्हें अमर कर दिया।

प्रारंभिक जीवन और शिक्षा

मौलवी अहमदुल्ला शाह का जन्म 1787 में फैज़ाबाद (अवध) में हुआ। वे एक शिक्षित और धार्मिक परिवार से ताल्लुक रखते थे। बचपन से ही उन्होंने इस्लामी तालीम, अरबी, फ़ारसी और उर्दू की शिक्षा प्राप्त की। धार्मिक ज्ञान के साथ-साथ वे तलवारबाज़ी, घुड़सवारी और युद्धकला में भी माहिर हो गए। उनकी वाणी में ओज था, और वक्तृत्व कौशल इतना प्रभावशाली कि वे बड़ी से बड़ी भीड़ को अपने शब्दों से प्रेरित कर सकते थे। अहमदुल्ला शाह ने शुरुआती उम्र में ही देखा कि किस तरह ईस्ट इंडिया कंपनी धीरे-धीरे भारत के राजनीतिक और आर्थिक तंत्र पर कब्ज़ा जमा रही है। अंग्रेज़ों के अन्यायपूर्ण कर, धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप और स्थानीय रियासतों के अधिकार छीनने की नीति से वे बेहद आहत हुए। धीरे-धीरे उनके मन में अंग्रेज़ी हुकूमत के खिलाफ संघर्ष का संकल्प दृढ़ होता गया।

1857 की क्रांति में भूमिका

जब 1857 की क्रांति का बिगुल बजा, तो मौलवी अहमदुल्ला शाह फैज़ाबाद में सक्रिय हो गए। उन्होंने जनता, सैनिकों और स्थानीय रियासतों को एकजुट करने के लिए व्यापक अभियान चलाया।

फैज़ाबाद में बिगुल

क्रांति की शुरुआत में ही मौलवी साहब ने फैज़ाबाद में अंग्रेज़ी सत्ता के खिलाफ विद्रोह का ऐलान कर दिया। वे अपने तेजस्वी भाषणों में कहते थे कि यह लड़ाई सिर्फ जंग-ए-आज़ादी नहीं, बल्कि ईमान, सम्मान और अपनी धरती बचाने की जंग है। उनके नेतृत्व में सैकड़ों सिपाही और आम लोग हथियारबंद होकर अंग्रेज़ों का मुकाबला करने के लिए आगे आए। अंग्रेज़ी रिकार्ड बताते हैं कि मौलवी अहमदुल्ला शाह के पास बड़ी सैन्य रणनीतिक क्षमता थी। वे गुरिल्ला युद्धकला में निपुण थे और अचानक हमले करके दुश्मन को भारी नुकसान पहुंचाते थे।

लखनऊ में मोर्चा

फैज़ाबाद के बाद मौलवी साहब लखनऊ पहुंचे, जहां बेगम हज़रत महल पहले से अंग्रेज़ों के खिलाफ विद्रोह का नेतृत्व कर रही थीं। बेगम हज़रत महल और मौलवी साहब का गठबंधन क्रांति के लिए बेहद अहम साबित हुआ। उन्होंने लखनऊ के किलेबंद इलाकों में अंग्रेज़ों के खिलाफ मोर्चा संभाला और लंबे समय तक शहर में उनका प्रवेश रोकने में सफलता पाई। इस दौरान उन्होंने स्थानीय राजाओं और ज़मींदारों को भी साथ लाने की कोशिश की।

अवध के ग्रामीण इलाकों में संघर्ष

अंग्रेज़ों से सीधा मोर्चा लेने के साथ-साथ मौलवी साहब ने अवध के गांव-गांव में घूमकर लोगों को जागरूक किया। वे बताते थे कि अंग्रेज़ सिर्फ हमारी जमीन ही नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, धर्म और जीवन के अधिकार भी छीन रहे हैं। उनके प्रचार से गांवों में अंग्रेज़ी हुकूमत के खिलाफ गुस्सा और प्रतिरोध तेजी से फैलने लगा। यही कारण था कि अंग्रेज़ उन्हें बेहद ख़तरनाक नेता मानते थे।

अंग्रेज़ों की नजर में सबसे खतरनाक

ब्रिटिश दस्तावेज़ों में मौलवी अहमदुल्ला शाह को "Rebel of the highest order" यानी सबसे बड़े दर्जे का बागी कहा गया है। अंग्रेज़ उनके संगठन कौशल, जनता से गहरे जुड़ाव और युद्धकला से भयभीत थे। कहा जाता है कि उनकी गिरफ्तारी या मौत पर अंग्रेज़ सरकार ने 50,000 रुपये का इनाम घोषित किया था, जो उस समय एक बहुत बड़ी रकम थी। यह इनाम इस बात का प्रमाण है कि वे अंग्रेज़ों के लिए कितने बड़े ख़तरे के रूप में देखे जाते थे।

विश्वासघात और गिरफ्तारी

हालांकि मौलवी साहब ने कई बार अंग्रेज़ों को भारी नुकसान पहुंचाया, लेकिन अंततः उन्हें विश्वासघात का सामना करना पड़ा। अवध के ही कुछ राजाओं और सामंतों ने अंग्रेज़ों के दबाव या लालच में आकर उनके ठिकाने की जानकारी दे दी। 5 जून 1858 को मौलवी अहमदुल्ला शाह शाहजहांपुर के पास लड़ते हुए घायल हो गए और पकड़ लिए गए। उनके साहस और नेतृत्व से भयभीत अंग्रेज़ों ने उन्हें ज़िंदा नहीं छोड़ा।

शहादत और शरीर को तोप से उड़ाना

मौलवी अहमदुल्ला शाह को गिरफ्तार करने के बाद अंग्रेज़ों ने उनकी सार्वजनिक रूप से हत्या करने का फैसला किया, ताकि जनता में डर बैठाया जा सके। शाहजहांपुर में उन्हें गोली मार दी गई और फिर उनके शरीर को तोप के मुंह से बांधकर उड़ा दिया गया। अंग्रेज़ों को लगा कि इस तरह उनकी याद भी मिट जाएगी, लेकिन यह फैसला उल्टा पड़ा। उनका यह बलिदान और भी अधिक लोगों के दिलों में आज़ादी की आग बन गया।

व्यक्तित्व और नेतृत्व क्षमता

मौलवी अहमदुल्ला शाह एक अद्वितीय व्यक्तित्व के धनी थे। धार्मिक विद्वान: इस्लामी शिक्षा में निपुण, लेकिन सभी धर्मों का सम्मान करने वाले। रणनीतिकार: युद्ध में योजना, गुरिल्ला युद्ध, और जनता को संगठित करने में माहिर। वक्ता: उनकी वाणी इतनी जोशीली थी कि साधारण लोग भी हथियार उठाने को तैयार हो जाते थे। त्यागी: निजी सुख-सुविधाओं को त्यागकर पूरी तरह राष्ट्र की सेवा में समर्पित।

अंग्रेज़ों के खिलाफ विचारधारा

मौलवी अहमदुल्ला शाह का मानना था कि अंग्रेज़ सिर्फ भारत की दौलत लूटने नहीं आए, बल्कि वे भारतीय समाज को गुलाम बना कर हमारी अस्मिता खत्म करना चाहते हैं। वे कहते थे — "अंग्रेज़ का मुकाबला सिर्फ तलवार से नहीं, बल्कि एकजुट होकर किया जा सकता है।" उनका संदेश था कि हिंदू-मुस्लिम सभी को मिलकर अंग्रेज़ी हुकूमत को उखाड़ फेंकना होगा।

विरासत और प्रेरणा

आज मौलवी अहमदुल्ला शाह फैज़ाबादी का नाम उतना मशहूर नहीं है, जितना होना चाहिए, लेकिन 1857 की क्रांति में उनकी भूमिका किसी भी दृष्टि से रानी लक्ष्मीबाई, तात्या टोपे या बेगम हज़रत महल से कम नहीं थी।

भजनलाल शर्मा ने 14 पुलिस कार्मिकों को पुलिस पदक प्रदान किए

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। 79वें स्वाधीनता दिवस की पूर्व संध्या पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के सानिध्य में गुरुवार को जोधपुर के मेहरानगढ़ किले में एट होम कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस दौरान शर्मा ने 14 पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पुलिस पदक तथा विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले 5 लोगों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

ड्रोन शो का भव्य आयोजन

मुख्यमंत्री ने 'ऑपरेशन सिंदूर' थीम पर आधारित ड्रोन शो का अवलोकन किया। मेहरानगढ़ दुर्ग से इस शो में लगभग 550 ड्रोन ने आसमान में भारतीय सेना की शौर्य गाथा का अद्त प्रदर्शन किया। इस अद्वितीय दृश्य को शहर के प्रमुख स्थलों पर स्पीकर और एलईडी स्क्रीन के माध्यम से आमजन के लिए भी प्रसारित किया गया, जिसका साक्षी पूरा जोधपुर बना। कार्यक्रम में संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, उद्योग राज्य मंत्री के. के. विश्नोई, राज्य किसान आयोग के अध्यक्ष सी.आर. चौधरी, राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत, सांसद राजेंद्र गहलोत, विधायक देवेंद्र जोशी, बाबू सिंह राठौड़, मुख्य सचिव सुधांश पंत, पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा, उच्चाधिकारीगण, गणमान्य लोग व बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

देवनानी ने वीरांगनाओं का किया सम्मादन

-तिरंगा मात्र कपड़ा नहीं हमारी आत्मो है- विधानसभा अध्यक्ष

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थोन विधान सभा अध्य क्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि देश के लिए लाखों वीरों ने बलिदान दिया। देश सुरक्षित रहें इसके लिए देश के प्रत्ये क नागरिक को अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना है। विदेशी वस्तुनओं का उपयोग ना करें। देशी वस्तुेओं का जीवन में प्रयोग करें। देश की प्रगति के लिए यह आवश्यकक है।

देवनानी गुरूवार को यहां कॉन्स्टि्टयूशन क्ल्ब ऑफ राजस्थाीन में समाचार प्लकस चैनल द्वारा सिन्दनर वतन के नाम कार्यक्रम में वीरांगनाओं का सम्माटन करने के बाद समारोह को सम्बो धित कर रहे थे। देवनानी ने मंच से उतरकर वीरांगनाओं के पास पहुँचकर उन्हें सम्मारनित किया।

देवनानी ने कहा कि वीरों को वे नमन करते है। देश के राजनैतिक नेतृत्वा ने पहली बार भारतीय सेना को दुश्मेन को खत्मा करने के हर सम्भ व कदम उठाने के लिए पूरी तरह से निर्णय लेने के लिए जिम्मेपदारी दी। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना का सम्मोन करें। सेना के देश सेवा के कार्यों पर किसी तरह का प्रश्नज चिन्हा ना लगाए। यह देश मजबूत है। देश में सन 2014 में उदय हुए बदलाव के सूर्य ने सिद्ध कर दिया कि 21वीं शताब्दीय भारत की है।

देवनानी ने कहा कि सेना ने सिन्दकर का बदला ले लिया है। हमें कुर्बानियों और त्यागि का सम्मान करना है। विश्वत के अनेक देशों का षडयंत्र भारत को कमजोर करने के लिए चल रहा है। भारत की मजबूती के लिए प्रत्येगक व्यउक्ति को सक्रिय भागीदारी निभानी होगी। भारत की भूमि को प्रणाम करों जहां भारत के लोग चैन की निन्दए ले सकते है। प्रत्येकि व्यनक्ति देश के लिए कुछ करने का धैय अपने आचरण में लाए। देश के प्रति अश्रद्धा का निर्माण ना हो, इसका हम सभी को पूरा ध्या न रखना होगा। देवनानी ने कहा कि समाचार प्ल्स समाचार के अलावा भी समाज को बहुत कुछ देता है।

इस अवसर पर उप मुख्य।मंत्री प्रेम चन्द बैरवा ने समारोह में देशभक्ति गीत गाया। उन्होंधने कहा कि सिन्दभर की ताकत ने आतंकवाद का खात्माभ कर दिया है। शहीदों के परिजनों का भी राष्ट्रत की सेवा में अमूल्यक योगदान है। हमें हमारे प्रेरणादायक इतिहास को याद रखना है। राजस्थाहन कर्मचारी चयन बोर्ड के अध्य क्ष मेजर जनरल आलोक राज ने भी समारोह को सम्बोइधित किया। समारोह की जानकारी समाचार प्लचस के सीईओ जेपी शर्मा ने दी। आगन्तुआकों का स्वामगत जितेन्द्रध शर्मा, शिवेन्द्रा शर्मा और मनीष शर्मा ने किया।

भाजपा मंडल की तिरंगा यात्रा निकाली गई

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। मनोहरपुर में भाजपा मंडल की विशाल बाइक तिरंगा रैली बहुत ही धूमधाम से निकाली गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और भाजपा राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के निर्देशानुसार यह रैली आयोजित हुई। यह रैली मैरिज गार्डन से शुरू होकर कस्बे के प्रमुख मार्गों से होते हुए पालिका परिसर पहुंची। जहां देवायूष सिंह, पूर्व विधायक आलोक बेनीवाल का माला और साफा पहनाकर सम्मान किया गया। इस दौरान मैरिज गार्डन से रैली का शुभारंभ हुआ। जो कि डीजे की धुन पर देशभक्ति गानों के साथ रैली निकाली गई। इस दौरान शहरवासियों ने पुष्पवर्षा कर रैली का भव्य स्वागत किया।

वही अंबेडकरनगर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर यात्रा सम्पन्न हुई। इस बाइक तिरंगा रैली में भाजपा कार्यकर्ताओं ने देशभक्ति के नारों से शहर को गूंजा दिया। इस दौरान पुलिस जाप्ता की मौजूदगी में रैली शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न हुई।

जानकारी अनुसार तिरंगा यात्रा कार्यक्रम में भाजपा युवा मोर्चा पूर्व प्रदेश मंत्री राजकुमार देवायुष सिंह, पूर्व विधायक आलोक बेनीवाल, पालिकाध्यक्ष सुनीता प्रजापत, मंडल अध्यक्ष रामचंद्र यादव, तिरंगा यात्रा संयोजक संतोष माधानी, महामंत्री उपेंद्र आत्रेय की उपस्थित में विशाल बाइक तिरंगा रैली का डीजे की धुन पर देशभक्ति गानों के साथ मैरिज गार्डन से शुरू होकर गांधी चौक होते हुए बस स्टैंड से नगरपालिका परिसर पहुंची। जहां पर आंबेडकर प्रतिमा पर माल्यार्पण कर यात्रा सम्पन्न हुई। इस दौरान थानाधिकारी भगवान सहाय के नेतृत्व में पुलिस जाप्ता तैनात रहा। इस दौरान मंडल अध्यक्ष रामचंद्र यादव, महामंत्री उपेंद्र आत्रेय, प्रह्लाद गुर्जर, संपूर्णानंद शर्मा, जगदीश गुर्जर, रामप्रकाश नाई, नंदलाल गुर्जर, अजय, सुनील, मुकेश, गजानंद, कल्याण गुर्जर, आदित्य धाबाई, मीडिया प्रभारी कृष्ण कुमार वर्मा, मोहन संतका, रामवतार हलकारा, महेश भारद्वाज, महेश सैनी, बनवारी शास्त्री, जमील खान, सिद्धार्थ गुर्जर, शिवराम भूमला, राधेश्याम नौरंगा, श्रीराम गुर्जर, बालाराम, महावीर कुमावत, जयराम गुर्जर, हनुमान धोबी, गिरधारी लाल मीणा, बाला सहाय बुनकर राम प्रकाश नई, नंदलाल गुर्जर, महेंद्र कसाना, सिद्धार्थ गुर्जर, राजेश पसलियां, नंदू चावला मालीराम गुर्जर,जय राम गुर्जर, सीताराम गुर्जर सहित कई भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रदेश वासियों को स्वतंत्रता दिवस एवं जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं

अब्दुल अजीज हाथी वाले
जिला अध्यक्ष : भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा जयपुर शहर

माजिद खान पठान
जिला महामंत्री : भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा जयपुर शहर

पीएम विकास योजना अल्पसंख्यक युवाओं को दे रही है आत्म-निर्भरता की नई उड़ान- मदन राठौड़

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्यसभा सांसद एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बताया कि नई मंज़िल योजना के तहत भारत में अल्पसंख्यक समुदायों को सशक्त बनाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। नई मंजिल योजना इन समुदायों के युवाओं को कौशल विकास, उद्यमिता, शिक्षा और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण विशेष फोकस करती है। इस योजना ने कक्षा 8वीं और 10वीं स्तर की शिक्षा को कौशल विकास से जोड़ा, जिससे युवाओं को बेहतर रोज़गार और आजीविका के अवसर प्राप्त हुए। इस योजना के तहत 98,712 युवाओं को प्रशिक्षण दिया गया। सांसद मदन राठौड़ के सवाल के जवाब में अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने सदन में यह जानकारी दी।

राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने बताया कि मोदी सरकार ने इस योजना को और सशक्त स्वरूप देकर प्रधानमंत्री विरासत का संवर्धन (पीएम विकास) योजना में समाहित किया है, ताकि अधिक से अधिक युवाओं तक इसका लाभ पहुँच सके। इस योजना के तहत अधिसूचित मुस्लिम, ईसाई, सिख, बौद्ध, पारसी और जैन समुदायों के युवाओं को लाभ दिया जा रहा है। विशेष क्षेत्रों के अन्य अल्पसंख्यकों को भी अधिकतम 5 प्रतिशत सीटों तक पात्रता दी गई है। योजना में लाभार्थियों की आयु 17 से 35 वर्ष के बीच और गरीबी रेखा से नीचे (BPL) होना आवश्यक था। वहीं इसमें महिला सशक्तिकरण को प्रोत्साहित करने के लिए 30 प्रतिशत सीटें महिलाओं और बालिकाओं के लिए आरक्षित की गईं। राठौड़ ने कहा "मोदी सरकार द्वारा अल्पसंख्यक युवाओं के कौशल विकास, शिक्षा और महिला सशक्तिकरण के लिए उठाए गए कदम राष्ट्र के सामाजिक और आर्थिक विकास को नई दिशा देंगे।"

केंद्रीय कृषि मंत्री की अध्यक्षता में सभी राज्यों के कृषि मंत्रियों की वीसी के माध्यम से बैठक

-केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने की डॉ. किरोडी लाल की सराहना

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में शुक्रवार को सभी राज्यों के कृषि मंत्रियों के साथ यूरीया की उपलब्धता, विकसित कृषि संकल्प अभियान रबी, प्राकृतिक खेती मिशन, प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना और राष्ट्रीय खाद्यय तेल-तिलहन मिशन के तहत वीडियो कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। केंद्रीय कृषि मंत्री ने प्रदेश के कृषि मंत्री डॉ. किरोडी लाल मीणा द्वारा आदान विनिर्माताओं, विक्रेताओं, जमाखोर एवं मिलावट करने वालों के खिलाफ गुणनियंत्रण अभियान चलाकर जो कार्यवाही की उसके लिए बधाई दी। वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री का कहना है कि केंद्र सरकार कृषकों एवं पशुपालकों के हितों के लिए पूरी तत्परता से कार्य कर रही है। किसानों के हितों के साथ किसी भी स्थिति में समझौता नहीं किया जायेगा। कृषक कल्याण के लिए हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 15 व 16 सितंबर को केंद्र सरकार द्वारा रबी कांफ्रेंस का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें रबी फसल की बुआई की रूप रेखा तैयार की जायेगी। इस कांफ्रेस में सभी राज्यों के कृषि मंत्रियों को भी आमंत्रित किया है। उन्होंने कहा कि रबी फसलों के लिए खाद का आंकलन कर उर्वरकों की डिमांड समय पर केंद्र सरकार को भिजवाई जाये, जिससे उर्वरक मंत्रालय समय पर सप्लाई पूरी कर सके। यूरीया का गैर कृषि कार्यों, कालाबाजारी करने वालों, अमानक पेस्टिसाइड, अमानक उर्वरक निर्माताओं और विक्रेतों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करें। केंद्रीय कृषि मंत्री ने टैगिंग करने वाले आदान निर्माताओं और विक्रेताओं के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने के लिए कहा। विकसित कृषि संकल्प अभियान रबी फसल 3 अक्टूबर से 18 अक्टूबर तक चलाया जायेगा, जिसमें कृषि वैज्ञानिकों द्वारा गांव-गांव जाकर कृषकों को फसलों की जानकारी दी जायेगी। जिससे हमारे कृषकों के उत्पादन में वृद्धि होगी और देश का कृषक आर्थिक स्थिति से मजबूत हो सकेगा।

नहीं सुधरोगे तुम, ना सुधरेंगे हम, मजे से करते रहो सांगानेर में अवैध निर्माण तुम

सादिक हिंदुस्तानी

सांगानेर (रॉयल पत्रिका) । सांगा की धरती सांगानेर की जनता अपने सीधेपन के लिए जितनी जानी जाती है। उससे कहीं ज्यादा सांगानेर नगर निगम में घोर अनियमितताएं करने वाले दुर्लभ प्रजातियों के लोगों को पनाह देने में ज्यादा पहचानी जाती है। सांगानेर नगर निगम जोन में अधिकारी एक बार आ जाए बस, फिर उसका दूसरी जगह जाने का मन नहीं करता। क्योंकि यहां पर राजस्व अधिक आता है। वह अलग बात है कि सरकारी कोष में जमा किया जाए या फिर पॉकेट में। इसलिए अधिकारी अपने ट्रांसफर को रुकवाने के लिए तन मन धन लगाने से पीछे नहीं हटता। चाहे कुछ भी हो जाए । लेकिन सांगानेर नहीं छोड़ेंगे। इसीलिए सांगानेर प्रताप नगर में अवैध निर्माणों की बाड़-सी आ गई है। रोकने टोकने वाला कोई नहीं। बस सेटिंग तगड़ी होनी चाहिए और राजनीतिक पकड़ मजबूत। नगर निगम के बगल से, मालपुरा गेट के अंदर ताम्बी मेडिकल के बगल में जो धड़ल्ले से अवैध निर्माण हो रहा है। उस पर रोक क्यों नहीं लगा रहे डीसी सहाब। ऐसी क्या मजबूरी है। यदि सही हो रहा है निर्माण तो नगर निगम ग्रेटर जयपुर द्वारा अनुमोदित बोर्ड क्यों नहीं लगा अभी तक डीसी साहब? पत्र क्रमांक क्या है? डीसी साहब। भूखंड संख्या क्या है? डीसी साहब। किस नाम से है और किस पते पर है? डीसी साहब। भवन मानचित्र स्वीकृति क्या है? डीसी साहब। कुल स्वीकृति ऊंचाई क्या है? डीसी साहब।

स्वीकृति दिनांक क्या है? डीसी साहब। डीसी साहब इन सवालों का जवाब मांगती है सांगानेर की आवाम। आपको सवालों का जवाब देना होगा डीसी साहब? सांगानेर और प्रताप नगर में ऐसे कई निर्माण हो रहे हैं और सरकार को राजस्व की हानि हो रही है। लेकिन डीसी साहब की सेहत पर कोई फर्क नहीं पड़ रहा है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार उनकी नीचे से लेकर ऊपर तक अच्छी पकड़ है। इसीलिए उनका दो-तीन बार ट्रांसफर कैंसिल हो गया। डेपुटेशन पर चल रहे अधिकारी से कोई पूछने वाला नहीं है। लेकिन सांगानेर की जनता और सांगानेर का विधायक राजस्थान का मुखिया जरुर पूछेगा और आपको जवाब देना पड़ेगा। वरना आपको सीट खाली करनी पड़ेगी, क्योंकि यह भजनलाल शर्मा की सरकार है। यहां दूध का दूध और पानी का पानी होता है।

"हर घर तिरंगा" अभियान एवं स्वतंत्रता दिवस समारोह की पूर्व संध्या पर

-आईसीडीएस मुख्यालय जयपुर में आयोजित हुआ "हर घर तिरंगा" कार्यक्रम

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। निदेशक समेकित बाल विकास सेवाएं (आईसीडीएस) वासुदेव मालावत की उपस्थिति में गुरुवार को आईसीडीएस मुख्यालय जयपुर में "हर घर तिरंगा" अभियान एवं स्वतंत्रता दिवस समारोह की पूर्व संध्या पर हर घर तिरंगा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। निदेशक आईसीडीएस ने बताया कि देशभक्ति की भावना को जागृत करने, राष्ट्रीय एकता को प्रोत्साहित करने तथा आमजन में राष्ट्र के प्रति कर्तव्य-बोध की भावना को सशक्त करने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में समस्त अधिकारियों और कार्मिकों ने सहभागिता की। वासुदेव मालावत ने बताया कि यह आयोजन "आजादी का अमृत महोत्सव" की भावना को जीवंत करता है और हमें यह स्मरण कराता है कि स्वतंत्रता की रक्षा के लिए प्रत्येक नागरिक का योगदान आवश्यक है।

समस्त देशवासियों को रक्षाबंधन, स्वतंत्रता दिवस एवं जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं

डॉ. अबुल हसन कागजी
समाजसेवी
Director : A L PAPER HOUSE LLP

स्वतन्त्रता दिवस एवं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएँ

पुष्पेन्द्र भारद्वाज
कांग्रेस प्रत्याशी सांगानेर विधानसभा
अध्यक्ष- राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पर्यावरण प्रकोष्ठ)
मो. 9214364997

वन राज्यमंत्री ने तिरंगा रैली में शामिल होकर दिया राष्ट्रप्रेम एवं एकता का संदेश

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने गुरूवार को स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य अलवर जिले में हर घर तिरंगा अभियान के तहत सर्वसमाज द्वारा आयोजित तिरंगा रैली सम्मिलित होकर तिरंगा ध्वज के साथ एकता, बंधुता व देशभक्ति का संदेश दिया।

वन राज्यमंत्री शर्मा ने कहा कि स्वाधीनता दिवस प्रत्येक भारतवासी के लिए गौरव का प्रतीक है। इसको हर्षोल्लास से मनाने एवं जन-जन को राष्ट्रीय पर्व के समारोह से जोड़ने के उद्देश्य से देशभर में हर घर तिरंगा अभियान चलाया जा रहा है जिसके तहत जन सहभागिता से तिरंगा यात्रा, तिरंगा मैराथन, तिरंगा शपथ आदि कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपने घरों पर तिरंगा लगाने की अपील करते हुए कहा कि तिरंगा हमारे देश की एकता, अखंडता, और विविधता का प्रतीक है और हर भारतीय का कर्तव्य है कि वह इस सम्मान को बनाए रखे।

जनसुनवाई कर आमजन की परिवेदनाओं को सुना-

वन राज्यमंत्री संजय शर्मा ने अलवर जिले में निवास स्थान पर जनसुनवाई कर पेयजल, विद्त, सड़क, पुलिस आदि की परिवेदनाएं लेकर आए फरियादियों की परिवेदनाओं को संवेदनशीलता के साथ सुनकर संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित निराकरण के निर्देश दिये। उन्होंने निर्देश दिये कि फरियादियों की समस्याओं का निराकरण होने पर उन्हें सूचित कर उनके संतुष्टि स्तर में वृद्धि करें। उन्होंने निर्देश दिये कि आमजन को मूलभूत समस्याओं की प्राथमिकता से सुनवाई करें। उन्होंने फरियादियों को सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि केंद्र व राज्य सरकार द्वारा अंतिम पंक्ति तक के पात्रा व्यक्ति के कल्याण हेतु विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही है जिनका जागरूक रहकर न केवल स्वयं लाभ उठाएं बल्कि अन्य पात्रा व्यक्तियों को भी इन योजनाओं के प्रति जागरूक कर लाभांवित करावे।

स्वतंत्रता दिवस पर तेजा राम जाट होंगे सम्मानित

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। कर्तव्यनिष्ठ परिश्रमी ईमानदार दयालु जनता के दुःख दर्द में काम आने वाले सबका भला चाहने वाले खोरा लाड़खानी के निवासी तेजाराम जाट को 15 अगस्त 2025 को शाहपुरा उपखंड स्तर पर सम्मानित किया जाएगा। शाहपुरा उपखण्ड अधिकारी ऑफिस से जारी लिस्ट में लाइनमैन तेजा राम जाट को सम्मानित होने की खबर आते ही गांव वालों में खुशी की लहर दौड़ गई। पूर्व लाइनमैन रामपाल काका, महादेव प्रसाद जाट व साधुराम जाट ने बताया कि तेजाराम जाट ने गांव की सेवा के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित किया है आज उनको यह इनाम मिल रहा है जिसके वे असली हकदार है।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए	
टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912
कचरा गाड़ी के लिए	
ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420
पुलिस की मदद के लिए	
साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181
पानी के लिए	
जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400
मेडिकल इमरजेंसी के लिए	
एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771
घायल पशुओं के लिए	
नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

भाजपा द्वारा तिरंगा रैली और तिरंगा यात्रा से देश भक्ति भावना से सराबोर हुआ चूरू

-भारत माता की जय व वन्दे मात्रम के नारो से गुंजा शहर

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा तिरंगा यात्रा पूर्व नेताप्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, विधायक हरलाल सहारण, जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा के नेतृत्व में निकाली गई जिसमें युवा मोर्चा के कार्यकर्ता एवम् विभिन्न सामाजिक क्षेत्रो से जुड़े लोग छात्र व छात्राऐं एवम् भाजपा के वरिष्ठ नेता एवम् कार्यकर्ता हजारो की संख्या में शामिल हुऐ। तिरंगा यात्रा में 200 फुट का तिरंगा आकर्षण का केन्द्र रहा वही दोल नगाड़े एवम् वाध्य यंत्रो पर कार्यकर्ता नाच गाकर भारत माता की जय वंदे मातरम के नारे लगाते हुऐ देश भक्तिपूर्ण वातावरण बना दिया वही सैकड़ो की संख्या में दुपहिया वाहनो पर युवा मोर्चा के कार्यकर्ता तिरंगा झण्डा लेकर यात्रा रंग बिरंगी छटा बिखेर रहे थे। तिरंगा यात्रा का जगह जगह विभिन्न सामाजिक संगठनो बाजार के व्यापारियों एवम् धार्मिक स्थलो के आगे पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। रैली से पूर्व स्थानीय इन्द्रमणी पार्क में विभाजन विभिषिका स्मृति दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें पूर्व नेताप्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, विधायक हरलाल सहारण, प्रदेश मंत्री डॉ वासुदेव चावला, जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा, जिला महामंत्री चन्द्राराम गुरी, कार्यक्रम के जिला संयोजक भास्कर शर्मा, प्रधान दीपचन्द राहड़, उपजिला प्रमुख महेन्द्र न्यौल, एससी मोर्चा प्रदेश मंत्री सीताराम लुगरिया, जिला उपाध्यक्ष नरेन्द्र सैनी, मण्डल अध्यक्ष सुरेश सारस्वत, धर्मेन्द्र राकसिया, पूर्व प्रधान विक्रम कोटवाद, भाजयुमो जिलाध्यक्ष मदनगोपाल बालाण मंचस्थ रहे। विभाजन विभिषिका स्मृति दिवस संगोष्ठी को संबोधित करते हुऐ पूर्व नेताप्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि विभाजन विभिषिका दिवस मनाने का उदेश्य है कि हमारी आने वाली पीढी को इस विभाजन की त्रासदी के बारे में जानकारी दी जाये। उन्होने कहा कि मानव ईतिहास में सर्वाधिक मानव हानि इस विभाजन से हुई जिसके लिए तत्कालीन कांग्रेस और उनके नेता जिम्मेदार थे। कांग्रेस नेताओं की सता की लालसा है भारत मां को विभाजीत किया जिसका दंश आज भी हमें दुखी कर रहा है। उन्होने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात कहा था कि कांग्रेस कोई राजनैतिक संस्था नही है अब इसे भंग कर दिया जाना चाहिए। इस अवसर पर बोलते हुऐ विधायक हरलाल सहारण ने कहा कि कुछ लोग कह रहे है कि भाजपा सरकार ने देश में आपात काल लगा दिया है परन्तु वही लोग देश की संसद को चलने नही दे रहे है। सांसदो के अधिकारो का हनन कर रहे है भाजपा सरकार के आने के बाद देश खुशहाल हुआ इस अवसर पर प्रदेश मंत्री डॉ. वासुदेव चावला ने अपने उद्बोधन में कहा कि कुछ लोग आज भारत की निर्वाचन प्रणाली पर सवालिया निशान लगाते हुऐ कह रहे है कि देश में वोट चोरी हो रहा है। उन्हे यह पता होना चाहिए कि वर्तमान में देश में वास्तविक लोकतंत्र है वोट की चोरी 1947 मे हुई थी जब सरदार पटेल के पास बहुमत होते हुऐ भी उन्हे प्रधानमंत्री नही बनने दिया गया और पंडित नेहरू देश के प्रधानमंत्री बने। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुऐ कहा कि विभाजन विभिषिका से देश केवल दो टुकड़ो में ही विभक्त नही हुआ बल्कि कांग्रेस ने देश की संस्कृति को बांटा है। उन्होने कहा कि देश के लोगो ने देश की आजादी के लिए बलिदान दिया। देश के लोगो में धार्मिक भेदभाव नही था कार्यक्रम को एससी मोर्चा प्रदेश मंत्री सीताराम लुगरिया, प्रधान दीपचन्द राहड़ ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया एवम् कार्यक्रम जिला संयोजक भास्कर शर्मा ने जिले भर में हुई गोष्ठीयों एवम् इस कार्यक्रम के संदर्भ में जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री अभिषेक चोटिया ने किया। कार्यक्रम में विधानसभा संयोजक पदमसिंह राठौड़, जिला उपाध्यक्ष नरेन्द्र काछवाल, नरेन्द्र सैनी, सत्तार खांन, जिला मंत्री दीनदयाल सैनी, रचना कोठारी, सहित हजारो की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

न.पा. रतननगर की साधारण सभा की बैठक सम्पन्न

-विकास कार्यों पर हुई चर्चा

रतननगर (रॉयल पत्रिका)। नगरपालिका रतननगर की साधारण सभा को नगरपालिका अध्यक्ष निकिता गुर्जर की अध्यक्षता में सोर्हाद पूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई। बैठक में रखे गये सभी प्रस्तावों पर सर्व-सम्मति से सहमति जताई गई। अधिशाषी अधिकारी भरत गौड़ ने बताया कि बैठक में पुराने राष्ट्रीय राजमार्ग से शहर पन्नाह दिवार तक वाया राज. अस्पताल तक सी.सी. सड़क निर्माण कार्य, अस्पताल मार्ग पर प्रवेश द्वार निर्माण, पुराने राष्ट्रीय राजमार्ग से राज. अस्पताल मार्ग के नामकरण, डोर-टु-डोर कचरा संग्रहण कार्य, पुरानी डिग्गी वार्ड नं.06 व 05 की पाईप लाईल डालने के कार्य, पूर्व अध्यक्ष स्व. सत्यनारायण गुर्जर की प्रतिमा लगाने पर विचार विमर्श किया जाकर सर्व-सम्मति से सभी प्रस्तात बहुमत के साथ पारित कर दिये गये। अधिशाषी अधिकारी भरत गौड़ ने बताया कि पूर्व पालिकाध्यक्ष स्व. सत्यनारायण गुर्जर का कोरोना के चलते मात्र अल्प समय के कार्यकाल में ही उनका देहांत हो जाने के कारण सभी उपस्थित सदस्यों की भावना को मध्यनजर रखते हुए यह प्रस्ताव पारित किया गया। बैठक के दौरान सदस्यों द्वारा न्यू हिरोज क्लब को जिसकी राशि जमा बताई जा रही है को नियमानुसार पट्टा जारी किये जाने के प्रस्ताव पर भी चर्चा हुई। बैठक के दौरान पालिकाध्यक्ष निकिता गुर्जर, उपाध्यक्ष असगर खां, पार्षद सुनीता देवी, सहीराम, लतीफ चुनगर, ओमप्रकश जांगिड़, विक्रम सिंह, प्रेमरत्न शर्मा, वीणा देवी, किरण देवी, विजय कुमार शर्मा, ईन्द शर्मा आदि उपस्थित रहें। बैठक की कार्यवाही का संचालन कनिष्ठ सहायक मनोहर सिंह ने किया।

भाजपा की तिरंगा यात्रा संपन्न, सैकड़ों कार्यकर्ता रहे उपस्थित

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर जिला सवाई माधोपुर द्वारा गुरुवार को हर घर तिरंगा अभियान के तहत विशाल तिरंगा यात्रा निकाली गई। जिला प्रवक्ता सुरेन्द्र शर्मा ने बताया कि भाजपा की तिरंगा यात्रा सिटी मॉल स्टेशन से शुरू हुई, यात्रा से पूर्व विभाजन पर विभीषिका स्मृति दिवस पर भी संगोष्ठी आयोजित हुई, कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व सांसद रामचरण बोहरा, प्रदेश मंत्री एवं खंडार विधायक जितेन्द्र गोठवाल, भरतपुर संभाग के प्रभारी हेमराज मीणा,जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर उपस्थित रहे। पूर्व जिला अध्यक्ष बजरंग लाल जाट, सुरेश जैन, डॉ. भरत लाल मथुरिया, तिरंगा यात्रा के संयोजक जगदीश अग्रवाल,सहसंयोजक जमनालाल वैष्णव, गंगा शंकर गौतम, गंगापुर नगरपरिषद के सभापति, प्रधान नरेंद्र चौधरी, कृष्ण पोसवाल, मंजू गुर्जर, शशिकला मीणा मंच आसीन रहे। तिरंगा यात्रा टोंक बस स्टैंड होते हुए अंबेडकर सर्किल पहुंची । रास्ते में व्यापारियों ने एवं आम जनता के यात्रा में चल रही भारत माता के रथ पर पुष्प वर्षा कर सभी का उत्साह वर्धन किया।

इस दौरान भाजपा के जिला महामंत्री विनोद अटल, बाबूलाल मीणा, जिला उपाध्यक्ष हरिओम गर्ग, सत्यनारायण धाकड़, कमल मीणा, विजय सिंह गुर्जर, लालचंद गौतम, मीरा सैनी, जिलामंत्री हरफूल मरमट, जिला प्रवक्ता सुरेन्द्र शर्मा, मुकेश शर्मा, मंडल अध्यक्ष रितेश भरद्वाज, कपिल जैन, मनीष अग्रवाल, हनुमत दीक्षित, शंकर सिंह नरूका, मिथलेश व्यास, सुनीता वैष्णव, सारांश जैन, पूर्व जिला प्रमुख पृथ्वीराज मीणा पूर्व सभापति कमलेश जेलिया, देवेंद्र राठौड़, मुरली गौतम शुभम भारद्वाज सुधीर शर्मा, ओम सुवालका, केशव शर्मा, हरि चरण सिंह, अजय बसवाल कुणाल सामरिया, संतोष मथुरिया, कृष्ण गुप्ता, सावित्री शर्मा, मीरा मीणा आदि सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता दिवस पर नन्हे मुन्ने बालकों ने तिरंगा रैली निकाली

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर ईदगाह मोहल्ले में अल्पसंख्यक समाज की नन्हे मुन्ने बच्चों ने फुटबॉल एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष शकील दुर्रानी की देखरेख में वार्ड के मुख्य रास्तों पर तिरंगा रैली निकालकर स्वतंत्रता दिवस पर देश प्रेम और सौहार्द का संदेश दिया।

वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. रशीद गौरी को SKFI द्वारा साहित्य गौरव सम्मान- 25 से सम्मानित किया

मोहम्मद यासीन

सोजत (रॉयल पत्रिका)। समाज कल्याण फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा ग्रेटर नोएडा में आयोजित 7वें राष्ट्रीय प्रतिभा सम्मान समारोह में देश भर की 72 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। इस भव्य समारोह में सोजत शहर से वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. रशीद गौरी को उनके साहित्यिक, सामाजिक एवं शैक्षिक अवदान के लिए राष्ट्रीय साहित्य गौरव सम्मान 2025 से सम्मानित किया गया है। उक्त सम्मान समारोह की अध्यक्षता कर रहे गौतम बुद्ध नगर के एडीएम बच्चू सिंह तथा मुख्य अतिथि के रूप में पेट्रोलियम एवं रसायन मंत्रालय भारत सरकार के संयुक्त निदेशक रविंद्र कुमार- IAS एवं SKFI के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. जितेन्द्र बच्चन के करकमलों द्वारा डॉ. गौरी को प्रदान किया गया। इस अवसर पर पी आईआईटी के निदेशक प्रोफेसर डॉ.भरत सिंह, एसकेएफआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. जितेंद्र बच्चन, एसकेएफआई के महानिदेशक अशोक कुमार, शिक्षाविद अजीत सिंह बैसला,डॉक्टर भूदेव सिंह, समाजसेवी अमृता मौर्य, कुमाऊं विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर डॉ. बी एस राजपूत मुख्य रूप से बतौर अतिथि उपस्थित थे। इस अवसर पर भव्य राष्ट्रीय प्रतिभा सम्मान समारोह में एसकेएफआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. जितेंद्र बच्चन एवं पीआईआईटी के निदेशक डॉ. भरत सिंह ने सभी सम्मानित प्रतिभाओं को बधाईयां देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का आगाज़ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं वंदे मातरम के साथ तथा समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। डॉ. गौरी को साहित्य गौरव सम्मान से सम्मानित होने पर सोजत शहर की विभिन्न सामाजिक, साहित्यिक-शैक्षिक संस्थाओं, समाज-सेवियों, भामाशाह, साहित्यकारों, कवियों एवं गणमान्यजनों ने खुशी व्यक्त करते हुए बधाइयां दीं। इस समारोह में शहर के वरिष्ठ साहित्यकार रामस्वरूप भटनागर, वीणा गुप्ता, मेहंदी एसोसिएशन अध्यक्ष ताराचंद सेन, पत्रकार प्रकाश राठौड़, अजय जोशी, शिक्षाविद करणसिंह मोयल, पारसमल सिंगाड़िया एवं हेरम्भ भारद्वाज को भी समाज कल्याण फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा सम्मानित किया गया।

एक शाम शहीदों के नाम सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर रॉयल विकलांग विकास संस्थान चूरु व इन्दिरा मेमोरियल पब्लिक स्कूल के संयुक्त तत्वावधान में एक शाम शहीदों के नाम सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चूरू कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष असलम खोखर, डॉ. सुमित गर्ग फिजियोथैरेपिस्ट मेडिकल कॉलेज भरतीया अस्पताल चूरू, वार्ड पार्षद प्रतिनिधि अजीज खान दिलावरखानी पार्षद प्रतिनिधि असलम खान मोयल, पार्षद समिउल्ला, पार्षद अली मोहम्मद भाटी, पार्षद प्रतिनिधि फारूक खान, पार्षद प्रतिनिधि आसिफ निर्माण राजीव गांधी पंचायती राज प्रकोष्ठ ब्लॉक अध्यक्ष सुलेमान मनियार, समाजसेवी डॉ युनुस खान रूकनखानी मदरसा इन्दिरा मेमोरियल पब्लिक स्कूल सचिव युसुफ खान रुकनखानी रसूल खान रूकनखानी, रॉयल विकलांग विकास संस्थान चूरु पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अख्तर खान रुकनखानी, प्रधानाध्यापिका सबिना बानो, शिक्षा अनुदेशिका अल्लादेई, शिक्षा अनुदेशक जान मोहम्मद, शिक्षा अनुदेशक असलम खान, समाजसेवी आबिद खान, आरूशाह खान, जैनब खान, शकून खान, हमदान खान, अनस खान, आदि थे कार्यक्रम में बच्चों ने देशभक्ति गीतों पर एक से बढ़कर एक प्रस्तुति देकर आए हुए अतिथियों व अभिभावकों का दिल जीत लिया विधालय में इस अवसर पर संस्थान निदेशक अख्तर खान रूकनखानी कि पुत्री जिया खान का जन्मदिन मनाया गया अतिथियों द्वारा बच्चों को पुरस्कृत किया गया कार्यक्रम का संचालन असलम खान ने किया।

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर विशाल कैंडल मार्च का आयोजन “वोट चोर- गद्दी छोड़”

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार एवं राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के आदेशानुसार, देश में लोकतंत्र एवं प्रजातंत्र की रक्षा करने तथा भारतीय जनता पार्टी द्वारा लोकतंत्र पर किए जा रहे प्रहार के विरुद्ध देशव्यापी अभियान चलाया जा रहा है। जिला प्रवक्ता रफीक चौहान ने बताया कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार इस अभियान के अंतर्गत पाली जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष अजीज दर्द के नेतृत्व में जिला मुख्यालय पर दिनांक आज दिनांक 14 अगस्त 2025 को रात्रि 7:00 बजे 'वोट चोर-गद्दी छोड़' कैंडल मार्च का आयोजन किया गया। विशाल कैंडल मार्च अहिंसा सर्किल से पैदल मार्च नारेबाजी करते हुए शाम को 7:00 बजे शुरू होकर नेहरू सर्किल सुरजपोल चौराहा पर समापन हुआ। इस मौके पर जिलाध्यक्ष अजीज दर्द, पाली विधायक भीमराज भाटी, प्रदेश उपाध्यक्ष शिशुपाल सिंह राजपुरोहित, भुराराम सीरवी, शोभा सोलंकी, डिंपल राठौड़, महावीर सिंह सुकरलाई, विधानसभा प्रत्याशी मारवाड़ जंक्शन खुशवीर सिंह जोजावर, सुमेरपुर हरिशंकर मेवाड़ा, पुर्व सभापति प्रदीप हिंगड, कार्यकारी अध्यक्ष प्रवीण कोठारी, पाली शहर ब्लॉक अध्यक्ष हकीम भाई, बाली ब्लॉक अध्यक्ष यशपाल सिंह शिवतलाब, सुमेरपुर ब्लॉक अध्यक्ष नेहपाल सिंह पावा, देसूरी ब्लॉक अध्यक्ष राकेश चौहान, प्रदीप हिंगड, गुलाब सिंह गिरवर, वरिष्ठ नेता जब्बरसिंह राजपुरोहित, जिला संगठन महासचिव भंवर राव, महिला प्रदेश महासचिव नीलम बिड़ला, महिला जिलाध्यक्ष ऐश्वर्या सांखला, युवा कांग्रेस अध्यक्ष गोवर्धन देवासी, जिला उपाध्यक्ष लहर कंवर, रतन उदेश, सज्जन बी राज, ताराचंद टांक, भेरूसिंह राजपुरोहित, , मेहबूब टी, राजेंद्र घावरी, जिला प्रवक्ता रफीक चौहान, सुरबाला काला, महासचिव आमीन अली रंगरेज, सम्पत राज पटेल, शहजाद शेख, साबिर जोया, जावेद सिरोहा, माणक गर्ग, दिलीप सिंह रावलवास, यशपाल सिंह कूम्पावत, इन्द्रा रतन पंवार, मोहन सिंह राजपुरोहित, ओबीसी जिलाध्यक्ष गोविन्द बंजारा, महावीर कटारिया, मांगुसिह दूदावत, भेराराम गुर्जर, विनोद मोदी, अभिषेक चोपडा, रमेश चावला, प्रकाश सांखला, हूसैना बानो, गीता इकबाल शेख़, शकील नागौरी, असगर कूरैशी, इंसाफ मोयल, दरिया देवी, हसन , साबिर अशरफी, राजेंद्र मेघवाल, सत्तार पठान, आरीफ नवीन, अशोक कुमार, राजेश सांखला, असगर दिनेश दवे, रमेश परिहार, प्रमोद बोराणा, कलीम अख्तर, मोहन छापोला, श्याम मेवाड़ा, विकास राठौड़, रफीक अब्बासी, सहित सैकड़ों कांग्रेस जनो ने हाथों में कैंडल जलाकर व तख्तियां लेकर वोट चोर गद्दी छोड़ की नारेबाजी करते हुए सुरज पोल पर कार्यक्रम का समापन किया।

कर्म पर आधारित होते हैं चरित्र एवं नैतिकता- प्रो. जैन

लाडनूं (रॉयल पत्रिका)। जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग में आयोजित कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष प्रो. बीएल जैन ने कहा है कि सांस्कृतिक एवं सामाजिक विरासत वाले इस देश में अनेक पर्व, त्यौहार तथा मेलों का आयोजन होता है, जो हमारी सांस्कृतिक विविधता के परिचायक हैं। उन्होंने भगवान कृष्ण को कर्म का देवता बताते हुए कहा कि उनका सम्पूर्ण जीवन चरित्र एवं नैतिकता के लिए प्रेरित करता है। हमें सदैव शुभ एवं सात्विक कर्म करने चाहिए, क्यूंकि हर कर्म का फल निश्चित ही मिलता है। उन्होंने देश के विभिन्न भागों में आयोजित होने वाले जन्माष्टमी उत्सव में उत्साहपूर्वक भाग लेने के लिए प्रशिक्षुओं को प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में भगवान कृष्ण पर माल्यार्पण एवं उनके पूजन के साथ संकाय सदस्यों द्वारा किया गया। कार्यक्रम में सिद्धि पारीक ने महाभारत पर आधारित कविता, आयुश्री चोटिया ने कृष्ण भगवान का पौराणिक आख्यान, सुमन बावरी ने सुन्दर भजन, एवं पलक टाक ने नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम में डॉ. विष्णु कुमार, डॉ. अमिता जैन, डॉ. गिरधारी लाल शर्मा, डॉ. ममता शर्मा, देवीलाल कुमावत, खुशाल जांगिड, सुश्री स्नेहा शर्मा आदि सभी संकाय सदस्य उपस्थित रहे। अंत में कार्यक्रम के प्रभारी डॉ. गिरिराज भोजक ने आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम में मंच संचालन पलक टाक ने किया।

छात्र शक्ति ने तिरंगा रैली निकाल कर दिया देशभक्ति और भाईचारे का सन्देश

बारां (रॉयल पत्रिका)। गुरुवार को राजकीय महाविद्यालय के छात्रों ने वाहन रैली निकाल कर देशभक्ति का सन्देश दिया। छात्रसंघ महाविद्यालय के महासचिव साजिद खान और गौरव मीना ने बताया की स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बारां की जनता को देशभक्ति और भाईचारे का सन्देश देते हुए एक वाहन रेली का आयोजन किया गया। छात्रनेता पवन मीना और हिमांशी मीना ने बताया की तिरंगा रैली श्रीराम स्टेडियम से शुरू होकर देशभक्ति गीत और देशभक्ति के नारों के साथ शहर के मुख्य मार्गों से गुजर कर राजकीय महाविद्यालय पर समाप्त हुई। छात्रों ने देशभक्ति के सन्देश के साथ भाईचारे का भी सन्देश दिया जिस से सभी छात्र एक जुट होकर देश के लिए समर्पित भाव से तिरंगे को लहराते हुए देशभक्ति नारे लगाते रहें। इस दौरान दर्शन यादव, सुमित गुर्जर, विवेक मीना, मनीष मीना, हरीश मीना, दीक्षा, सचिन, अमन, हकीम मीना, रोनक, सोहित, ख़ुशी मेहता, रिंकू, हर्षित, वैभव, विशु, दीपक मीना आदि छात्र मोजूद रहें।

तिरंगा यात्रा निकालकर दिया देश भक्ति का संदेश

रतननगर (रॉयल पत्रिका)। नगरपालिका रतननगर की अध्यक्ष निकिता गुर्जर के नेतृत्व में यहां गुरूवार को स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर तिरंगा रैली और तिरंगा यात्रा निकालकर देश्भक्ति का संदेश दिया। भारत माता की जय के नारो से गुंजायमान यात्रा में नगरपालिका के अधिशाषी अधिकारी भरत गौड़, उपाध्यक्ष असगर खां सहित नगरपालिका के सदस्य, आमजन एवं समस्त अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहें। जिन्होंनें हाथो में तिरंगा लिये हुए नगरपालिका भवन से तिरंगा यात्रा निकाली। तिरंगा यात्रा को सम्बोधित करते हुए नगरपालिका अध्यक्ष निकिता गुर्जर ने कहा कि विभाजन विभिषिका दिवस मनाने का उद्देश्य है कि हमारी आने वाली पीढी को इस विभाजन की त्रासदी के बारे में जानकारी दी जायें। उन्होनें कहा कि राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा हमारे मान-सम्मान, शोर्य, उन्नति, प्रगति और खुशहाली का प्रतिक है। इसी तिरंगे की प्रेरणा से हमने स्वतंत्रता संग्राम की लड़ाई और भारत को आजादी दिलाई। उन्होनें कहा कि हम हमारे सविधान के मौलिक कर्तव्यों में भी तिरंगे के प्रति समर्पित रहने का संकल्प लेते है। अधिशाषी अधिकारी भरत गौड़ ने कहा कि इस तिरंगे ने भारत के शोर्य और सम्मान को सम्पूर्ण विश्व में बढ़ाया है। बदलते हिन्दस्तान में हमने आपरेशन सिंदुर के दौरान देखा कि आतंकवादी ढिकानों की ध्वस्ती के बाद हमारा तिरंगा गौरव से लहरा रहा है।

हर्षोल्लास से मनाया जाएगा स्वतंत्रता दिवस

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिले में शुक्रवार 15 अगस्त 2025 को स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास से मनाया जाएगा। एडीएम अर्पिता सोनी ने बताया कि शुक्रवार 15 अगस्त को चूरू जिला मुख्यालय पर पुलिस लाइन मैदान में जिला स्तरीय मुख्य समारोह आयोजित किया जाएगा। जिला स्तरीय कार्यक्रम में सवेरे 09.05 को मुख्य स्थल पर मुख्य अतिथि द्वारा ध्वजारोहण किया जाएगा। इसके बाद सवेरे 09.10 बजे मुख्य अतिथि द्वारा परेड का निरीक्षण किया जाएगा। सवेरे 09.20 बजे मार्चपास्ट एवं बैण्डवादन, सवेरे 09.25 बजे सामूहिक व्यायाम, सवेरे 09.35 बजे राज्यपाल का संदेश पठन, सवेरे 09.45 बजे मुख्य अतिथि का संबोधन, सवेरे 09.55 बजे वीरांगनाओं तथा लोकतंत्र व स्वतंत्रता सेनानियों का सम्मान तथा सवेरे 10.05 बजे उल्लेखनीय कार्य करने वालों को प्रशस्ति—पत्र वितरण किया जाएगा। सवेरे 10.30 बजे सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएगी व सवेरे 11.30 बजे राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन किया जाएगा।

स्वाधीनता दिवस समारोह-2025 में जिला कलक्टर काना राम होंगे सम्मानित

-राज्य स्तरीय समारोह में 14 अधिकारियों व जवानों को पुलिस पदक

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। स्वाधीनता दिवस समारोह-2025 के अवसर पर बरकतुल्ला स्टेडियम, जोधपुर में 15 अगस्त को होने वाले वाले राज्य स्तरीय समारोह में एटीएस एवं एसओजी के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक वी.के. सिंह को राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया जाएगा। समारोह में जिला कलक्टर सवाई माधोपुर काना राम सहित 11 अधिकारियों को योग्यता प्रमाण पत्र से सम्मानित किया जाएगा। इससे पूर्व 14 अगस्त को सायं साढ़े 6 बजे मेहरानगढ़ फोर्ट, जोधपुर में आयोजित होने वाले एट होम कार्यक्रम में 14 पुलिस अधिकारियों व जवानों को पुलिस पदक, विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 4 व्यक्तियों और 1 ग्राम पंचायत को प्रशस्ति-पत्र से सममानित किया गया।

रकमा संगठन द्वारा अल्पसंख्यक सम्मान समारोह 17 अगस्त को पटवार परीक्षा की वजह से बाद में होगा

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर रकमा संगठन चुरू जिला अध्यक्ष मोहम्मद नियाज़ खान ने बताया कि रकमा संगठन चुरू जिला इकाई द्वारा आयोजित मातुश्री कमला गोयनका टाऊन हॉल चुरू में अल्पसंख्यक सम्मान समारोह जो 17 अगस्त 2025 को होना था पटवार परीक्षा की वजह से आगे खिसका दिया गया है इस सम्मान समारोह की नई तिथि जल्द ही बता दी जाएगी।

जर्नी ऑफ सिंधीस लाइव शो का हुआ आयोजन सिंधी समाज ने झेली विभाजन की पीड़ा

-देवनानी सिंधी समाज के संघर्ष से सफलता तक की दास्तान का हुआ मंचन

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद एवं सिंधी शिक्षा विकास समिति अजमेर के संयुक्त तत्वावधान में विभाजन विभीषिका की पूर्व संध्या पर एक विशेष सांस्कृतिक एवं नाट्य कार्यक्रम जर्नी ऑफ़ सिंधीस का आयोजन बुधवार को जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के डॉ. भीमराव अंबेडकर सभागार में किया गया। सिंधी शिक्षा विकास समिति के महासचिव घनश्याम भगत ने बताया कि राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद नई दिल्ली, शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से विभाजन विभीषिका की पूर्व संध्या पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, विशिष्ट अतिथि इंटरनेशनल प्रेसिडेंट विश्व सिंधी सेवा संगठन के राजू विजय मनवाणी रहे। राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद के सदस्य मनीष देवनानी, सम्राट पृथ्वीराज चौहान महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य हासो दादलानी ने अपने विचार व्यक्त किए। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अपने उद्बोधन में कहा कि सिंधी समाज के लिए संघर्ष एक परम्परा रही है। इसी संघर्ष से सफलता को प्राप्त करना प्रत्येक सिंधी व्यक्ति के जीवन का भाग है। इस दौरान सामने आने वाली चुनौतियों से मुकाबला कर स्वंय को स्थापित करने की कला इस समाज में है। विभाजन की सबसे ज्यादा पीड़ा इसी समाज ने झेली है। इसको याद करके आज भी उस समय के लोगों की आंखे नम हो जाती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसे अनुभव किया। इसी के परिणामस्वरूप विभाजन विभीषिका दिवस मनाया जा रहा है। ताकि नई पीढ़ी को विभाजन के दर्द की अनुभूति हो व उनमें राष्ट्रीय भक्ति की भावना ओतप्रोत हो। देवनानी ने कहा कि सिंधी समाज सदैव ही कर्मशील और मेहनती रहा है। यह मेहनत राष्ट्रहित में समर्पित रही है। देश के प्रति प्रेम के भाव ने ही हेमु कालाणी को अपना सर्वस्व समर्पित करने के लिए प्रेरित किया। आज भी सिंधी समाज राष्ट्र के लिए सर्वाधिक समर्पण करने के लिए तत्पर है। उन्होंने कहा कि समय के साथ अजमेर में भी आमूल चूल परिवर्तन हुए हैं। गुलामी के प्रतीकों के नाम बदलकर उनका भारतीयकरण किया गया है। फॉयसागर का नाम वरुण सागर कर दिया गया है। किंग एडवर्ड मेमोरियल को महर्षि दयानंद सरस्वती विश्रांति गृह के नाम से जाना जा रहा है। होटल खादिम अब होटल अजयमेरू है।

डिजीटल क्रांति के युग से कदमताल करे शिक्षा बोर्ड

-देवनानी राजस्थान माध्यमिक शिक्षा कर्मचारी संघ का शपथ ग्रहण समारोह

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि आज डिजीटल क्रांति का युग है। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड को भी अपने आपको अपडेट कर अपने कामकाज को पूर्णतः डिजीटल मोड अपनाना चाहिए। बोर्ड कर्मचारी दर्पण पोर्टल बनाए जिस पर कर्मचारियों से संबंधित समस्त डाटा उपलब्ध हो। इसी तरह विद्यार्थियों और स्कूलों से संबंधित समस्त आवेदन और कामकाज भी ऑनलाइन हो और उसे एक ही दिन में संबंधित प्रमाण-पत्र दे दिया जाए। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बुधवार को राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड में मंत्रालायिक कर्मचारी संघ के शपथ-ग्रहण कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने कार्यकारिणी को शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड का नाम देश के प्रतिष्ठित शिक्षा बोर्डों में शामिल है। बोर्ड की विद्यार्थी संख्या बहुत बड़ी है। बोर्ड की कार्यप्रणाली भी बहुत अच्छी है। अब वक्त है कि इसे एक सोपान और बढ़ा कर पूर्णतः डिजीटल किया जाए ताकि शिक्षक, विद्यार्थी, स्कूल और कर्मचारी सभी को फायदा मिल सके। बोर्ड की समस्त प्रक्रिया डिजीटल और ऑनलाइन होने से स्कूल और विद्यार्थी को अपने काम के लिए सैकड़ों किलोमीटर का सफर तय कर अजमेर आने की जरूरत नहीं पड़ेगी। बोर्ड कर्मचारी दर्पण पोर्टल जैसे शुरूआत भी करे ताकि शिक्षा विभाग की शाला दर्शन और शाला दर्पण जैसे पोर्टल की तरह कर्मचारी से संबंधित समस्त डाटा ऑनलाइन हो सके। इससे कर्मचारियों का प्रमोशन व अन्य कामकाज आसान हो जाएंगे। देवनानी ने कहा कि राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड का महत्व आज राजस्थान के हर परिवार में है। बोर्ड का दसवीं का प्रमाण-पत्र जन्मतिथि का अधिकारिक दस्तावेज है। बोर्ड की परिक्षा विद्यार्थी के जीवन की सर्वाधिक महत्वपूर्ण परीक्षाओं में शामिल है। हमें इस महत्व और इसकी शुचिता को बनाए रखना है। उन्होंने कर्मचारियों का आह्वान किया कि वे पनी पूरी शक्ति के साथ बोर्ड के मान को इसी तरह बनाए रखें और उसे उच्चतम स्तर तक ले जाएं। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में बोर्ड को अपने कामकाज, पाठ्यक्रम और परीक्षा पद्धति को नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप ढालना होगा। शिक्षा और संस्कार निर्माण में बोर्ड की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। बोर्ड सचिव कैलाश चन्द्र शर्मा ने कहा कि बोर्ड अपनी पूरी क्षमता के साथ विद्यार्थी हित में काम कर रहा है। आगामी दिनों में इसे और अधिक पारदर्शी व विद्यार्थी हितैषी बनाया जाएगा। कर्मचारी संघ अध्यक्ष मोहन सिंह रावत एवं महामंत्री करण सिंह यादव ने कहा कि शिक्षा बोर्ड के कार्मिक सैदव विद्यार्थी हित में प्रयत्नशील हैं। उन्होंने देवनानी को विश्वास दिलाया कि वे लगातार बोर्ड के उन्नयन के लिए प्रयत्नशील रहेंगे।

बाल विवाह मुक्त राजस्थान अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

चित्तौड़गढ़ (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर आलोक रंजन के निर्देशन में बाल विवाह मुक्त राजस्थान अभियान के अंतर्गत विभिन्न विभागों के सहयोग से जिले, ब्लॉक एवं ग्राम स्तर पर बाल विवाह रोकथाम हेतु जनजागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस पर बाल अधिकारिता विभाग एवं जिला खेल कूद केंद्र, इंदिरा गांधी स्टेडियम, चित्तौड़गढ़ में विभिन्न खेलों में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवा खिलाड़ियों के साथ जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में युवाओं को अपने आसपास कहीं भी बाल विवाह होने की जानकारी मिलने पर चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर तुरंत सूचना देने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित युवा खिलाड़ियों को बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता की शपथ दिलवाई गई। जागरूकता कार्यक्रम में ओम प्रकाश तोषनीवाल (सहायक निदेशक, जिला बाल संरक्षण इकाई), राम रतन गुर्जर (जिला खेल अधिकारी), लोकेश सोनी (शिक्षा विभाग), नवीन किशोर काकड़दा (जिला समन्वयक), कोच महावीर बंजारा, प्रभु लाल गुर्जर, अंजलि बारेगा, शूरवीर सिंह राणावत, मधुसूदन, आनंद सिंह चौहान, हर्षिता यादव, जितेंद्र नायक सहित चाइल्ड हेल्पलाइन टीम के काउंसलर करण जीनवाल, सुपरवाइजर राहुल सिंह सोलंकी, सरिता मीणा एवं टीम मेंबर इरफान शोरगर उपस्थित रहे।

रोड़ला ग्राम पंचायत में जन सुरक्षा कैम्प का हुआ आयोजन

-आर्थिक एवं सांख्यिकी विभग के संयुक्त निदेशक ने प्रदान किए बीमा कवर राशि के चैक

जालोर (रॉयल पत्रिका)। ग्रामीणों को जन सुरक्षा योजनाओं के लिए संतृप्ति एवं वित्तीय साक्षरता के बारे में जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से आहोर पंचायत समिति की रोड़ला ग्राम पंचायत में जन सुरक्षा कैंप का आयोजन किया गया। इस कैम्प में आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग राजस्थान के संयुक्त निदेशक जे.पी.मीणा, जिला अग्रणी बैंक, जालोर के मुख्य प्रबंधक रमेश कुमार और सांख्यिकी विभाग, जालोर के उप निदेशक डॉ. धनसिंह राजपुरोहित द्वारा निरीक्षण किया गया। कैंप निरीक्षण के दौरान आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग राजस्थान के संयुक्त निदेशक जे.पी.मीणा ने लालाराम पुत्र गणेशाराम की दुर्घटना में मृत्यु पर पीएमएसबीवाय अंतर्गत बीमा कवर की राशि 2 लाख रूपये का चैक मृतक की पत्नी लीलादेवी को तथा आशी देवी पत्नी माना राम की साधारण मृत्यु पर पीएमजेजेबीवाय अंतर्गत बीमा कवर की राशि 2 लाख रूपये का चैक मृतका के पति मानाराम को प्रदान किए। कैम्प में ग्रामीणों को ग्रामीणों को प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा और अटल पेंशन योजना, पीएमजेडीवाय खातों में रीकेवायसी, नॉमिनेशन तथा बढ़ते साइबर फ्राड के बारे में जानकारी देने के साथ ही उन्हें इन योजनाओं से जोड़ा गया। इस अवसर पर बैंक ऑफ इंडिया शाखा भूती के शाखा प्रबंधक गजेंद्र महावार, राजस्थान ग्रामीण बैंक चांदराई के सहायक प्रबंधक अमरचंद, जालोर फाउंडेशन वित्तीय साक्षरता केंद्र शिवगंज व सायला के फील्ड कॉर्डिनेटर, हिना खान व भावेश एवं रोडला ग्राम पंचायत के सरपंच (प्रशासक) हुकम सिंह, रोड़ला के ग्राम विकास अधिकारी दिनेश कुमार उपस्थित रहे।

विशाल तिरंगा रैली और तिरंगा यात्रा से तिरंगा के रंगों और देश भक्ति भावना से सरोबार हुआ डूंगरपुर

डूंगरपुर (रॉयल पत्रिका)। बुधवार को पूरा डूंगरपुर जिला तिरंगा के रंगों और देशभक्ति की भावना से सरोबार हो गया हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत बुधवार आज सुबह जिला मुख्यालय सहित गांव-गांव निकाली गई तिरंगा यात्रा और तिरंगा रैली से स्वतंत्रता दिवस से पूर्व ही पूरा जिला देशभक्ति के रंगों से रंग गया। बुधवार को सागवाड़ा उपखंड पर जहां तिरंगा यात्रा और रैली को सागवाड़ा विधायक शंकरलाल डेचा, पूर्व सांसद कनकमल कटारा ने हरी झंडी दिखाई वहीं जिला मुख्यालय डूंगरपुर जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह ने तिरंगा यात्रा को हरी झंडी दिखाई और कदम से कदम मिलाते हुए तिरंगा यात्रा में गणमान्य भी सम्मिलित हुए।

डूंगरपुर जिला मुख्यालय

बुधवार अल सुबह देश भक्ति गीतों के साथ हाथों में तिरंगे लिए तिरंगा यात्रा को जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। नौजवान, युवक युवतियां, महिलाओं, अधिकारी कर्मचारी समेत बड़ी संख्या में सम्मिलित स्काउट गाइड, पुलिस के नौजवान, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, राजीविका स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की देशभक्ति से ओतप्रोत प्रोत उपस्थिति ने सभी में जोश भर दिया। तिरंगा यात्रा के दौरान जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह, अतिरिक्त जिला कलेक्टर दिनेश चंद्र धाकड़, अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक अशोक मीणा, मुख्य कार्यकारी अधिकारी हनुमान सिंह राठौड़, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनिल पहाड़िया तिरंगा यात्रा के दौरान लक्ष्मण ग्राउंड से शहीद पार्क तक पूरी यात्रा के दौरान पैदल ही हाथों में तिरंगे लेकर तिरंगा यात्रा में सम्मिलित हुए। तिरंगा यात्रा लक्ष्मण ग्राउंड से शुरू होकर तहसील चौराहा, पुराना बस स्टैंड, शास्त्री कॉलोनी मार्ग, महाविद्यालय, डाइट भवन, बस स्टैंड चौराहा होती हुई शहीद पार्क में शहीदों को श्रद्धांजलि के साथ समाप्त हुई। शहीद पार्क में जिला कलेक्टर सिंह सहित समस्त अधिकारियों एवं यात्रा में सम्मिलित लोगों ने अमर ज्योति पर पुष्प अर्पित कर तथा वीर स्वतंत्रता सेनानियों शहीद भगत सिंह, राजगुरु एवं सुखदेव की मूर्तियों पर पुष्पहार अर्पित कर देश के लिए प्राणों की आहुति देने वाले समस्त शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर सभी ने तिरंगा कैनवास पर हस्ताक्षर किया। तिरंगा सेल्फी स्टैंड पर सभी संबंधित लोगों में सेल्फी लेने की होड दिखी।

बैठक में की मुख्यमंत्री शहरी रोजगार गारंटी योजना की समीक्षा

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री शहरी रोजगार गारंटी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 की प्रगति की समीक्षा के लिए बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक जिला कलक्टर डॉ. मंजू की अध्यक्षता में हुई। बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 के प्रगतिरत कार्यों की निकायवार समीक्षा की गई और शेष रहे पखवाड़ों हेतु पूर्व में आवंटित बजट सीमा के अतिरिक्त बजट आवंटन और संशोधित कार्य योजना 2025 अनुमोदन किया गया। डॉ. मंजू ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के प्रगतिरत कार्यों की निकायवार समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री शहरी रोजगार गारंटी योजना के अंतर्गत जिले के समस्त निकायों के लिए वार्षिक कार्ययोजना में टेंजिबल कार्यों को सम्मिलित करने पर जोर दिया। उन्होंने हरियालो राजस्थान अभियान के तहत हुए पौधारोपण की ब्लॉकवार समीक्षा कर निकाय अधिकारियों को निर्देश दिए कि दीपावली से पहले सड़कों के गड्ढों की मरम्मत, रोड लाइट्स और जल निकासी के स्थायी समाधान के कार्य पूरे किए जाएं। अपने अधीनस्थ क्षेत्र में चौक-चौराहों, पार्कों और मुख्य मार्गों के सौंदर्यीकरण के निर्देश देते हुए कहा कि शहर की नियमित साफ.सफाई, अनधिकृत बैनर और पॉलिथीन जब्त, डॉग बाइट और निराश्रित पशुओं की समुचित व्यवस्था की जाए। बैठक में एडीएम प्रशासन सुभाष कुमार और नगरपरिषद आयुक्त श्री रविन्द्र यादव सहित नगर निकाय अधिकारी उपस्थित रहे।

विशेष आवश्यकता वाले दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए अंग उपकरण वितरण शिविर का आयोजन

-अंग-उपकरण पाकर दिव्यांग विद्यार्थियों के खिले चेहरे

जालोर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्, जयपुर के निर्देशानुसार बुधवार को अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक, समग्र शिक्षा जालोर के कार्यालय परिसर में समावेशी शिक्षा अन्तर्गत विशेष आवश्यकता वाले चिन्हित दिव्यांग विद्यार्थियों को उनकी आवश्यकतानुसार अंग-उपकरण शिविर मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं समग्र शिक्षा की पदेन जिला परियोजना समन्वयक गंगा कलावंत की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी गंगा कलावंत ने दिव्यांग बालक-बालिकाओं एवं उनके साथ आए अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत ऐसे छात्र-छात्राएं जो दिव्यांगता अधिनियम 2016 में निर्धारित 21 श्रेणियों में आते हैं तथा जो कक्षा 1 से 12 तक में अध्ययनरत हैं, ऐसे दिव्यांग छात्र-छात्राओं को उनकी आवश्यकता के अनुसार अंग-उपकरण के साथ-साथ दिव्यांग पेंशन, निःशुल्क बस पास सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लि प्रेरित करें। अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक मनोहरलाल गोदारा ने कार्यक्रम के अंत में उपस्थित अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए जिला एवं ब्लॉक स्तर पर कार्यरत विशेष शिक्षा से संबंधित संदर्भ व्यक्तियों को दिव्यांग छात्र-छात्राओं को आवश्यक सम्बलन प्रदान करते हुए विभिन्न राजकीय योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक मनोहलाल गोदारा, सहायक परियोजना समन्वयक ईश्वरसिंह, कार्यक्रम अधिकारी (विशेष शिक्षा) मदनलाल गहलोत एवं एलिम्को टीमफरीदाबाद (उ.प्र.) से आये अंग-उपकरण विषेशज्ञों की देख-रेख में पात्र बालक-बालिकाओं को ट्राई साईकिल, व्हील चेयर, चेयर रोलेटर, कैलिपर्स, एएफओ, केएफओ इत्यादि अंग उपकरणों का वितरण कर लाभान्वित किया गया।

साईबर अपराध से बचाव के लिए डी.ए.वी. कॉलेज में जागरूकता शिविर आयोजित

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव रवि प्रकाश सुथार (अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश), श्रीगंगानगर द्वारा मासिक एक्शन प्लान के अनुसार साईबर अपराध से सम्बंधित सुरक्षात्मक उपायों के लिए बुधवार को डी.ए.वी. कॉलेज, श्रीगंगानगर में जागरूकता शिविर का आयोजन कर छात्र-छात्राओं को जागरूक किया गया। शिविर के दौरान एडीजे सुथार ने डी.ए.वी कॉलेज में उपस्थित छात्र-छात्राओं को सम्बोधित करते हुए बताया कि इंटरनेट के बढ़ते उपयोग के साथ-साथ साईबर अपराधों में भी वृद्धि हुई है। इसके साथ ही एडीजे सुथार ने उपस्थित छात्र-छात्राओं से अपील की है कि वे ऑनलाईन लेनदेन के वक्त मजबूत पासवर्ड का उपयोग करें एवं किसी से भी अपना ओटीपी साझा न करने तथा सोशल मीडिया का उपयोग करते हुए किसी अज्ञात लिंक पर क्लिक न करने की सलाह दी गई। इसके पश्चात् साईबर थाना के सहायक उप निरीक्षक कमल सिंह ने डिजिटल अरेस्ट, सोशल मीडिया हेकिंग व फिशिंग और आर्कषक ऑफर या सरकारी योजनाओं के नाम पर ईमेल, एसएमएस भेजकर गोपनीय जानकारी प्राप्त करने के बारे में विस्तार से जानकारी दी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के डिप्टी गुरचरण सिंह द्वारा साईबर अपराध घटित होने के पश्चात् उसके उपचार हेतु प्रारम्भ की जाने वाली कार्यवाही व साईबर विधि के बारे में विस्तार से बताते हुए हेल्पलाईन नं.1090 के बारे मे भी अवगत करवाया। इस अवसर पर डी.ए.वी. कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. मीनु पूनिया व कॉलेज स्टाफ डॉ. कौर सिंह धोन्सी, डॉ. राजेश्वर गोदारा, अंजली सिंह, डॉ. विजय सोनी सहित लीगल एड डिफेंस काउंसिल नरपेण कम्बोज, अमन चलाना, तुषार गुप्ता के साथ विधि प्रशिक्षु छात्रा जश्नप्रीत कौर भी उपस्थित रही।

पटवारी सीधी भर्ती परीक्षा -2025 की तैयारियों के संबंध में बैठक हुई आयोजित

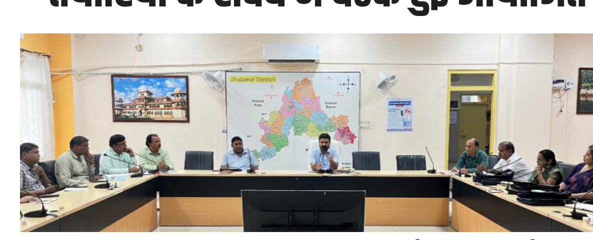

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, जयपुर द्वारा आगामी 17 अगस्त को आयोजित होने वाली पटवारी सीधी भर्ती परीक्षा - 2025 की तैयारियों के संबंध में बुधवार को अतिरिक्त जिला कलक्टर अभिषेक चारण की अध्यक्षता में मिनी सचिवालय के सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर ने कहा कि सभी संबंधित अधिकारी एवं केन्द्राधीक्षक पूर्ण सतर्कता एवं सावधानीपूर्वक पटवारी सीधी भर्ती परीक्षा का सफल संचालन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि परीक्षा के आयोजन में राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की पूर्ण अक्षरशः पालना करें। उन्होंने कहा कि उक्त परीक्षा में अभ्यर्थियों की सुविधाओं एवं उनकी सुरक्षा का विशेष रूप से ध्यान रखा जाए। इस दौरान अतिरिक्त जिला कलक्टर ने बताया कि उक्त परीक्षा 17 अगस्त प्रातः 9 से 12 बजे तक तथा दोपहर 3 से 6 बजे तक दो सत्र में 17 केन्द्रों पर आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया परीक्षा के सफल संचालन के लिए कुल 6 उप समन्वयक तथा 6 अतिरिक्त उप समन्वयक की नियुक्ति की गई है। पुलिस व्यवस्थाओं हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

हर घर तिरंगा अभियान मुख्य सचिव सुधांश पंत ने प्रदर्शनी का किया गया अवलोकन

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। मुख्य सचिव सुधांश पंत द्वारा बुधवार को हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत कलेक्ट्रेट परिसर में स्वाधीनता आंदोलन पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया। जिला कलक्टर लोक बन्धु ने प्रदर्शित सामग्री के बारे में जानकारी प्रदान की। इस प्रदर्शनी में दर्शाए गए विरासत के रूप में संजोए गए स्वतंत्रता सेनानियों के चित्र, उनके जीवन से जुड़े लेख, उस दौर की घटनाओं का विवरण और भारत की आज़ादी से जुड़े साक्ष्यों का अवलोकन किया। प्रदर्शनी में रखी गई तस्वीरें उस समय की ऐतिहासिक गाथा को जीवंत रूप में प्रस्तुत कर रही थीं। इसके साथ ही एनसीसी द्वारा आईएनएस युद्ध प्रशिक्षण पोत का मॉडल भी प्रदर्शित किया गया। इसने मुख्य सचिव महोदय का विशेष ध्यान आकर्षित किया। इसके मॉडलिंग इंस्ट्रक्टर जयेश कुमार एवं केडेड संजना खारोल ने युद्ध प्रशिक्षण पोत की खूबियां बताई। हर घर तिरंगा अभियान के सेल्फी पॉइन्ट पर अधिकारियों द्वारा सेल्फी भी ली गई। इस अवसर पर संभागीय आयुक्त शक्ति सिंह राठौड़, पुलिस महानिरीक्षक राजेन्द्र सिंह, ब्यावर कलक्टर कमल राम मीणा, पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा एवं रतन सिंह साथ रहे।

बाल विवाह रोकथाम को लेकर जागरूकता गतिविधियां होंगी

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार के निर्देशानुसार बाल विवाहों की प्रभावी रोकथाम के लिए माननीय उप मुख्यमंत्री द्वारा बाल विवाह मुक्त राजथान अभियान की शुरूआत की गई थी। इसी श्रृंखला में जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएगी। जिला कलक्टर डॉ. मंजू ने जिले के विभन्न विभागों को पत्र प्रेषित कर निर्देशित किया हैं कि बाल विवाह की रोकथाम के लिए आमजन में समग्र व्यवहार परिवर्तन, जनजागरूकता, सामुदायिक भागीदारी एवं विधिक प्रवर्तन के माध्यम से अभियान की सफलता के लिए जिला, ब्लॉक एवं ग्राम स्तर पर विभागीय समन्वयन के साथ निर्धारित गतिविधियां आयोजित की जाए। विभिन्न विशिष्ट दिवसों, पर्व, त्यौहारों को ध्यान में रखते हुए मासिक गतिविधि कलैण्डर के अनुसार आयोजन किए जाए।

15 अगस्त को चित्तौड़गढ़ में विविध कार्यक्रम, मंत्री गौतम दक करेंगे ध्वजारोहण

-हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा स्वाधीनता दिवस

चित्तौड़गढ़ (रॉयल पत्रिका)। स्वाधीनता दिवस 15 अगस्त जिलेभर में उत्साहपूर्वक एवं गरिमामय वातावरण में मनाया जाएगा। मुख्य जिला स्तरीय कार्यक्रम प्रातः 9:05 बजे इंदिरा गांधी स्टेडियम, चित्तौड़गढ़ में आयोजित होगा। इस अवसर पर सहकारिता एवं नागरिक उड्डयन मंत्री गौतम दक ध्वजारोहण करेंगे एवं परेड का निरीक्षण करेंगे। ध्वजारोहण के पश्चात मार्च-पास्ट का आयोजन होगा, जिसमें पुलिस बल, होमगार्ड, एनसीसी, स्काउट-गाइड एवं विद्यालयी छात्र-छात्राएं भाग लेंगे। इसके बाद महामहिम राज्यपाल महोदय का संदेश वाचन किया जाएगा। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम के अंतर्गत व्यायाम एवं जिम्नास्टिक का शानदार प्रदर्शन तथा सांस्कृतिक रंगारंग प्रस्तुतियों के तहत सामूहिक नृत्य आयोजित होंगे। मुख्य अतिथि अपने संबोधन में स्वतंत्रता दिवस के महत्व एवं विकास के संकल्पों पर प्रकाश डालेंगे। अंत में राष्ट्रगान के साथ मुख्य समारोह का समापन होगा।

खेलकूद प्रतियोगिताएं भी होंगी आकर्षण का केंद्र

जिला प्रशासन द्वारा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मैत्री खेल प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जाएगा। दोपहर 1:00 बजे जिंक ग्राउंड, जिंकनगर में जिला प्रशासन बनाम पत्रकार क्रिकेट मैच खेला जाएगा।

कार्तिक आर्यन

निभा सकते हैं वायुसेना पायलट की भूमिका

अभिनेता कार्तिक आर्यन को लेकर चर्चा है कि वे पर्दे पर वायुसेना पायलट की भूमिका निभाते नजर आएंगे। यह किरदार वे निर्देशक शिमित अमिन की फिल्म में करेंगे। अभिनेता कार्तिक आर्यन की आगामी फिल्म की चर्चा हो रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक वे आगामी फिल्म कैप्टन इंडिया में वायुसेना पायलट की भूमिका निभाते दिखेंगे। कार्तिक आर्यन के हाथ निर्देशक शिमित अमिन की फिल्म लगी है, जिसमें वे पायलट का रोल करेंगे। शिमित अमिन के साथ कार्तिक आर्यन की यह पहली फिल्म होगी। बता दें कि शिमित को अब तक छप्पन और चक दे! इंडिया जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है। पिंकविला की एक रिपोर्ट के मुताबिक, कार्तिक और शिमित पिछले एक साल से बातचीत कर रहे थे। दोनों के बीच कई विषयों पर बातचीत चल रही थी। इसी बीच शिमित ने कार्तिक को कैप्टन इंडिया के बारे में बताया। उन्हें यह कहानी काफी दिलचस्प लगी।

2026 में शूटिंग शुरू होने की संभावना

सूत्र ने आगे कहा, शिमित ने कैप्टन इंडिया के लिए एक शानदार स्क्रीनप्लेय तैयार किया है। वे 2026 की पहली छमाही में कार्तिक के साथ फिल्म की शूटिंग शुरू करने की तैयारी में हैं। शिमित ने जब कार्तिक को फिल्म की कहानी सुनाई, तो एक्टर को भी स्क्रिप्ट काफी पसंद आई है।

कब तक होगी रिलीज?

फिल्म की कहानी कथित तौर पर रियल लाइफ घटनाओं से प्रेरित है। शूटिंग भारत और मोरक्को में होगी। एक टीम ने लोकेशन फाइनल करने के लिए रेकी भी कर ली है। पहले, फिल्म निर्माता हंसल मेहता कथित तौर पर आरएसवीपी बैनर तले इस फिल्म का निर्देशन करने वाले थे। फिल्म की शूटिंग मार्च से जुलाई 2026 तक निर्धारित है। यह 2027 की पहली छमाही में सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है। कार्तिक के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे फिलहाल तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी की तैयारी में व्यस्त हैं।

कांतारा: चैप्टर 1 में अलौकिक रूप के बाद, अब सबकी नज़रें रुक़्मिणी वसंत पर

इंटरनेट पर इस वक्त बस एक ही नाम गूंज रहा है - रुक़्मिणी वसंत। जैसे ही कांतारा- चैप्टर 1 में उनकी 'कनकवती' वाली लुक सामने आई, पूरे देश के दर्शक चौकन्ने हो गए। लेकिन कन्नड़ सिनेमा के जानकारों के लिए रुक़्मिणी कोई नई खोज नहीं, बल्कि पहले से ही एक चमकता सितारा हैं। बिर्बल ट्रिलॉजी के कोर्टरूम ड्रामे से लेकर सप्त सगरदाचे एलो - साइड़ और साइड क्र में दिल तोड़ देने वाले अभिनय तक, उन्होंने हमेशा ऐसे रोल चुने हैं जो सच्चाई की जड़ों से जुड़े हों। बानदरियाल्ली, भैराठी रणगल और बघीरा जैसी फ़िल्मों में उन्होंने अपनी रेंज और स्क्रीन प्रेज़ेन्स से बार-बार साबित किया है कि वो सिर्फ एक्टिंग नहीं करतीं, बल्कि किरदार में घुल-मिल जाती हैं। थिएटर से ट्रेनिंग पाई रुक़्मिणी में एक दुर्लभ मेल है – शालीनता, भावनात्मक गहराई और वो ठहराव जो बिना कुछ कहे बहुत कुछ कह जाता है। उनके आने वाले प्रोजेक्ट्स में हुआ्रहश्वश्वरु कांतारा- चैप्टर 1 और मधारसी शामिल हैं। फैंस उनकी कनकवती वाली लुक को रोमांच से भर देने वाला, दिव्य पर ज़मीन से जुड़ा और शांत ताक़त का प्रतीक बता रहे हैं। यही है 'रुक़्मिणी इफ़ेक्ट'। अब जब बाक़ी भारत भी उनकी प्रतिभा को पहचानने लगा है, एक बात साफ है – रुक़्मिणी वसंत सिर्फ एक मोमेंट नहीं जी रही हैं, वो अपनी विरासत गढ़ रही हैं।

रेंजर में संजय-अजय फिर साथ दिखेंगे

अजय के पास गोलमाल 5 के अलावा भी कई बड़े प्रोजेक्ट्स हैं। उनकी हिट थ्रिलर सीरीज दृश्यम 3 कतार में है। हालांकि यह अभी तय नहीं है कि इसकी शूटिंग कब शुरू होगी। इसके अलावा, वह अपनी फिल्म दे दे प्यार दे 2 की शूटिंग के आखिरी शेड्यूल के लिए लंदन में हैं, जहां एक गाने की शूटिंग चल रही है। उनकी एक और फिल्म रेंजर भी चर्चा में है, जिसमें उनके साथ संजय दत्त मुख्य भूमिका में होंगे। इस फिल्म की शूटिंग सितंबर से मुंबई में होनी है। वहीं, अजय के भांजे देवगन भी एक हॉरर फिल्म करने वाले हैं, जिसे अजय देवगन फिल्म्स ही प्रोड्यूस कर रहा है।

एक्शन पे एक्शन:

बागी 4 के धमाकेदार टीज़र में सोनम बाजवा ने मर्दों को दी बराबरी की टक्कर

बागी 4 का टीज़र आ चुका है, और भले ही एक्शन धमाकेदार हो, लेकिन टीज़र में जिसने सबका दिल और ध्यान खींचा है, वो हैं सोनम बाजवा। पहली बार एक्शन-ज़ोन में कदम रखते हुए, सोनम पूरे पावरहाउस अंदाज़ में नज़र आ रही हैं – टाइगर श्रॉफ, संजय दत्त और हरनाज़ संधू जैसे सितारों के साथ हाई-वोल्टेज वाइब में बराबरी से खड़ी। सबसे हैरान करने वाली बात ये है कि बागी फ्रेंचाइज़ी में पहली बार कोई हीरोइन इतनी ज़बरदस्त और हिंसक अवतार में दिख रही है – मर्दों के साथ मुक्का दर मुक्का, लात दर लात मिलाकर। हाउसफुल 5 से बॉलीवुड डेब्यू और पंजाबी फिल्म गोड्डे गोड्डे चा की नेशनल अवॉर्ड-विजेता सफलता के बाद, सोनम ने साबित कर दिया है कि मसाला एंटरटेनर्स से लेकर दमदार महिला-केंद्रित फिल्मों तक – हर जॉनर में चमक सकती हैं। अब बागी 4 के साथ, वो एक्शन सिनेमा में धमाकेदार एंट्री मार रही हैं और टीज़र के हर फ्रेम पर कब्ज़ा कर रही हैं। फैंस बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं कि 5 सितंबर को थिएटर्स में उनका ये नया अवतार देखने को मिले।

रानी चटर्जी ने दिखाई

इमरती दीदी की झलक

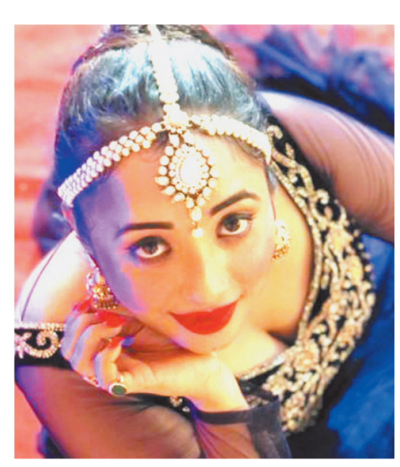

भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री रानी चटर्जी के पास एक से एक बड़ी फिल्मों के ऑफर्स आते रहते हैं, लेकिन वह उन्हीं फिल्मों को चुनती हैं जिनमें उनका किरदार सशक्त हो। ऐसी ही एक फिल्म इन दिनों चर्चा में है, जिसका नाम है इमरती दीदी, जिसकी शूटिंग का वीडियो अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर शूटिंग से जुड़ा एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें रानी अपने को स्टार्स के साथ नजर आ रही हैं। क्लिप देखकर फैंस ये अनुमान लगा रहे हैं कि यह सीन घर से छोड़े जाने का है। वीडियो के बैकग्राउंड पर जूही-शाहरुख की फिल्म भूतनाथ का गाना समय का पहिया चलता है ऐड किया है।

इससे पहले भी अभिनेत्री ने फिल्म इमरती दीदी की शूटिंग की जानकारी अपने फैंस से साझा की थी। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें वह बालों को संवारते, तो कभी अलग-अलग एक्सप्रेशन के साथ डांस करती नजर आ रही थी। रानी ने इसके कैप्शन में लिखा था, इमरती ने भी ट्रेंड फॉलो कर लिया, मेरी नई फिल्म का नाम इमरती है जिसकी शूटिंग शुरू कर रही हूं। लुक की बात करें, तो अभिनेत्री साधारण से सूट में हैं और हेयर स्टाइल भी सादा है। उन्होंने चोटी बना रखी है। फैंस को अभिनेत्री का ये अंदाज काफी पसंद आ रहा है। एक्ट्रेस के करियर की बात करें तो रानी ने साल 2003 में फिल्म ससुरा बड़ा पैसा वाला से अभिनय की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने कई बेहतरीन फिल्मों में काम किया, जिसमें देवरा बड़ा सतावेला, रानी नंबर 786, घरवाली बाहरवाली, बंधन टूटे ना, चोर मचाए शोर जैसी फिल्में शामिल हैं। रानी ने 300 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। वह रोहित शेट्टी के स्टंट-आधारित रिएलिटी शो खतरों के खिलाड़ी सीजन 10 में खतरनाक स्टंट करती दिखी थीं और एमएक्स प्लेयर पर स्ट्रीम हुई वेब सीरीज मस्तराम का भी हिस्सा रही हैं।

ईशा कोप्पिकर अपनी अगली फिल्म रॉकेटशिप में निभा रही हैं एक स्नेही माँ का किरदार

नवोदित कलाकारों को प्रोत्साहित करने में हमेशा आगे रहने वाली ईशा कोप्पिकर ने एक बार फिर युवा प्रतिभाओं के समर्थन में अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है। अभिनेत्री, जो नए और उभरते टैलेंट को बढ़ावा देने की पुरजोर समर्थक रही हैं, उन्होंने एक बार फिर सुभाष घई के प्रतिष्ठित संस्थान व्हिसलिंग वुड्स इंटरनेशनल अकेडमी में फिल्म निर्माण के छात्रों को अपना प्यार और समर्थन देकर यह सिद्ध किया है। यह प्रतिभाशाली अभिनेत्री छात्रों के डिप्लोमा प्रोजेक्ट रॉकेटशिप में अभिनय कर उन्हें अपनी अनुभवपूर्ण उपस्थिति और स्टार पॉवर के जरिए सहयोग प्रदान किया है, जिससे इन नवोदित फिल्मकारों की रचनात्मक दृष्टि को साकार करने में मदद मिली है।

ईशा कहती हैं, जब छात्रों ने मुझसे संपर्क किया, तो मैं इस प्रोजेक्ट में उनका साथ देने के लिए निःसंकोच तैयार हो गई। इन बच्चों में अपार क्षमता है, जो उस वक्त साफ़ नजर आई जब इन्होंने मुझे अपनी कहानी और स्क्रिप्ट सुनाई। मैं इन बच्चों से खुद को जोड़ पाती हूँ क्योंकि इन्होंने भी सब कुछ ज़ीरो से शुरू किया है, ठीक वैसे ही जैसे मैंने किया था। मेरे पास इंडस्ट्री में कोई गॉडफादर नहीं था। इसलिए जब मैं इन्हें अपने सपनों की शुरुआत करते देखती हूँ, तो वो मेरे लिए प्रेरणादायक और संतोषजनक अनुभव होता है।

नोरा फतेही का ओ मामा! टेटेमा का बीटीएस में झलकती है नोरा फतेही की परफेक्शन, पावर और पैशन की झलक

ट्राइबल-प्रेरित फैशन को मॉडर्न हाई-फैशन ट्विस्ट के साथ पहनकर, नोरा फतेही स्क्रीन पर शक्ति, आकर्षण और रहस्य की मिसाल बनकर उभरती हैं। सिनेमैटोग्राफी में मिट्टी के रंग, शानदार लोकेशन्स और भव्य सेट डिज़ाइन्स हर सीन को एक कलाकृति बना देते हैं। प्रसिद्ध कोरियोग्राफर बॉस्को मार्टिस द्वारा कोरियोग्राफ किया गया यह परफॉर्मेंस अफ्रीकी बीट्स, भारतीय अंदाज़ और नोरा के हाई-एनर्जी मूव्स का ऐसा मेल है, जो इस गाने की ग्लोबल आत्मा को दर्शाता है। पर्दे के पीछे की मेहनत, कठिन रिहर्सल और परफेक्ट कोरियोग्राफी यह दिखाते हैं कि इन ऊर्जा से भरपूर डांस मूव्स को तैयार करने में कितनी बारीकी और समर्पण लगा है। टी-सीरीज़ द्वारा प्रोड्यूस किया गया यह हाई-एनर्जी ट्रैक हिंदी, इंग्लिश और स्वाहिली का जीवंत फ्यूज़न है। नोरा ने न सिर्फ इसमें परफॉर्म किया है, बल्कि इस गाने को लिखा और गाया भी है–श्रेया घोषाल की सोलफुल आवाज़ और रेवान्नी की अफ्रीकी बोंगो एनर्जी के साथ। उनकी आवाज़ और लेखनी इस गाने को एक नया, आकर्षक आयाम देती है, जो उनकी स्क्रीन पर मौजूद एनर्जी से पूरी तरह मेल खाता है, और प्रशंसकों को बार-बार सुनने पर मजबूर कर देता है। ओह मामा!

थलापति विजय की जन नायकन को लेकर

बॉबी का खुलासा

थलापति विजय की आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म जन नायकन 9 जनवरी, 2026 को रिलीज होगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यह विजय की आखिरी फिल्म हो सकती है, क्योंकि वह राजनीति में कदम रखने की योजना बना रहे हैं।

बॉबी ने की विजय की तारीफ

बातचीत के दौरान, बॉबी देओल ने बताया कि थलापति विजय बहुत बड़े स्टार हैं। उनकी लोकप्रियता के कारण बाहर शूटिंग करना मुश्किल होता है, क्योंकि लोग भारी संख्या में इकट्ठा हो जाते हैं। इसलिए फिल्म की शूटिंग ज्यादातर स्टूडियो में हो रही है।

साउथ फिल्मों को लेकर बॉबी की राय

बॉबी ने दक्षिण भारतीय सिनेमा में अपने पिछले अनुभव भी साझा किए। उन्होंने नंदमुरी बालकृष्ण (एनबीके) के साथ काम करने को शानदार बताया और कहा कि वह जनता के स्टार हैं। साथ ही, उन्होंने सूर्या के साथ फिल्म कंगुवा में काम करने की बात की, जो उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी। बॉबी ने कहा कि सूर्या बेहतरीन अभिनेता हैं, लेकिन स्क्रिप्ट में कमी रह गई। जन नायकन एक राजनीतिक एक्शन ड्रामा फिल्म है। इसका निर्देशन एच. विनोथ ने किया है। इसमें विजय एक पूर्व पुलिस अधिकारी की भूमिका में नजर आएंगे, जो एक बड़ी राजनीतिक लड़ाई में उलझता है।

साभार एजेंसी

यास्तिका और राधा चमकी, भारत ए ने ऑस्ट्रेलिया ए को तीन विकेट से हराया

ब्रिस्बेन, एजेंसी। यास्तिका भाटिया के अर्धशतक और कप्तान राधा यादव की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से भारत ए ने बुधवार को यहां पहले महिला एकदिवसीय क्रिकेट मैच में आस्ट्रेलियाई टीम को 48 गेंद शेष रहते हुए तीन विकेट से हरा दिया। इस जीत से भारत अब तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 से आगे हो गया है।

बाएं हाथ की स्पिनर राधा ने 45 रन देकर तीन विकेट लिए, जिससे भारत ए ने ऑस्ट्रेलिया ए को 47.5 ओवर में 214 रन पर समेट दिया। भारतीय टीम ने इसके बाद भाटिया (70 गेंदों पर 59 रन) की अगुवाई में बल्लेबाजों के अच्छे प्रदर्शन से 42 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। भाटिया ने शेफाली वर्मा (31 गेंदों पर 36 रन) के साथ अच्छी शुरुआत की और पहले विकेट के लिए केवल 10.4 ओवर में 77 रन जोड़े। शेफाली के सियाना जिंजर की गेंद पर आउट होने के बाद भाटिया ने धारा गुज्जर (53 गेंदों पर 31 रन) के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 63 रन जोड़े जिससे भारत ने 23.3 ओवर में एक विकेट पर 140 रन बना लिए। लेकिन गुज्जर और भाटिया जल्दी-जल्दी आउट हो गई, जिससे भारत ए का स्कोर तीन विकेट पर 157 रन हो गया। ऑफ स्पिनर एला हेवर्ड (46 रन पर दो विकेट) ने फिर 30वें और 32वें ओवर में तेजल हसब्निस और तनुश्री सरकार को आउट कर दिया, जिससे मेहमान टीम का स्कोर पांच विकेट पर 166 रन हो गया। राघवी बिष्ट (34 गेंदों पर नाबाद 25 रन) ने ऐसे समय में जिम्मेदारी संभाली और टीम को लक्ष्य तक पहुंचने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इससे पहले अनिका लियरयोड (90 गेंदों पर नाबाद 92 रन) और रशेल ट्रेनमैन (62 गेंदों पर 51 रन) की ठोस पारियों के बावजूद ऑस्ट्रेलिया बड़ा स्कोर बनाने में नाकाम रहा।

मुझे उनके खिलाफ गेंदबाजी करने में मजा नहीं आया: वाशिंगटन सुंदर

नई दिल्ली, एजेंसी। तमिलनाडु में जन्मे ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर ने आईपीएल के 2017 सीजन में राइजिंग पुणे सुपरजायंट्स के लिए खेलते हुए अपनी कुछ यादे साझा की। वह स्टीव स्मिथ की कप्तानी वाली उस टीम में खेले थे जिसमें दिग्गज एमएस धोनी भी शामिल थे।

पिछले कुछ वर्षो में सुंदर को भविष्य का सितारा माना जा रहा है। नए मुख्य कोच गौतम गंभीर के नेतृत्व में उन्हें ज्यादा खेलने का मौका मिल रहा है। सुंदर टेस्ट टीम में नियमित रूप से खेलते है और अन्य प्रारूपो में भी अच्छा प्रदर्शन कर रहे है। इंग्लैंड के एक सफल दौरे के बाद सुंदर ने खुलासा किया कि उन्हें 2017 में कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खेलने वाले गंभीर को गेंदबाजी करने में मजा नही आया। एक इंटरव्यू में सुंदर ने कहा, उनकी जर्सी के पीछे भी नंबर 5 लिखा था मेरी तरह। और जाहिर है कि वह एक बाए हाथ के बल्लेबाज थे, जो बेहद शानदार थे। बस एक चीज जो मुझे पसंद नही आई, वह थी आईपीएल में उनको गेंदबाजी करना। वह मेरे खिलाफ बेहद कामयाब रहे, लेकिन वह एक बेहतरीन इंसान भी है। उन्हें हम सब पर इतना भरोसा था कि हम हर समय लड़ेगे और मैच जीतेगे। सीरीज के अंत में उन्हें खुश देखकर वाकई खुशी हुई। अपने पहले आईपीएल सीजन में सुंदर ने 11 मैचो में 23.12 की औसत से 8 विकेट लिए। पहली बार जब सुंदर ने आईपीएल मैच में गंभीर को गेंदबाजी की तो गंभीर ने 46 गेंदो पर 62 रन बनाए।

दिग्गज टेनिस खिलाड़ी वीनस विलियम्स बनेंगी बार्बी डॉल

नई दिल्ली, एजेंसी। वीनस विलियम्स जल्द ही 'बार्बी डॉल' के रूप में नजर आएगी। इस गुड़िया निर्माता कंपनी ने प्रेरणादायी महिलाओं की अपनी सीरीज में वीनस को लेकर 'बार्बी डॉल' बनाई है जिसे शुक्रवार को जारी किया जाएगा।

दिग्गज टेनिस खिलाड़ी वीनस विलियम्स जल्द ही 'बार्बी डॉल' के रूप में नजर आएगी। इस गुड़िया निर्माता कंपनी ने प्रेरणादायी महिलाओं की अपनी सीरीज में वीनस को लेकर 'बार्बी डॉल' बनाई है जिसे शुक्रवार को जारी किया जाएगा। इस गुड़िया को उसी तरह की पोशाक पहनाई गई है जो वीनस ने 2007 में विंबलडन चैंपियन बनने के दौरान पहनी थी। यह वही वर्ष था जब पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में महिलाओं को पुरुषों के बराबर पुरस्कार राशि मिली थी। इस गुड़िया की खुदरा कीमत 38 डॉलर बताई गई है, जिसमें वीनस पूरी तरह सफेद पोशाक में होंगी। उनके गले में हरे रंग का रत्न का हार, कलाई का बैंड हाथों में रैकेट और टेनिस बॉल होगी।

शुभमन गिल से हार गए बाबर आजम

एशिया कप से पहले ही टूटा पाकिस्तान का घमंड!

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप तो दूर की बात है. शुभमन गिल वहां खेलेंगे, वो भी अभी साफ नहीं है. मगर, एशिया कप में 14 सितंबर को होने वाली भारत-पाकिस्तान टक्कर से पहले, शुभमन गिल ने बाबर आजम पर अपने दबदबे की कहानी जरूर लिख दी है. भारतीय क्रिकेट के प्रिंस ने पाकिस्तान क्रिकेट के स्टार बैटर को हरा दिया है. इस हार और जीत की स्क्रिप्ट क्रिकेट के मैदान पर बेशक ना लिखी गई हो. मगर इसका नाता क्रिकेट से जरूर है. शुभमन गिल ने आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ का अवॉर्ड जीतने के मामले में बाबर आजम को पीछे छोड़ा है.

शुभमन गिल कब-कब बने आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ?

जुलाई 2025 में आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ बनने वाले शुभमन गिल, इससे पहले जनवरी 2023, सितंबर 2023 और फरवरी 2025 में भी ये अवार्ड जीत चुके हैं. दुनिया के दूसरे खिलाड़ियों की बात करें तो शुभमन गिल के बाद दूसरा नंबर बाबर आजम का है. उनके बाद इंग्लैंड के हैरी ब्रूक हैं, जो 2 बार आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ बने हैं. इंग्लैंड के ब्रूक के अलावा, श्रीलंका के कामिंदु मेंडिस, ,श्व के मोहम्मद वसीम, बांग्लादेश के शाकिब अल हसन और भारत से जसप्रीत बुमराह और श्रेयस अय्यर ने दो-दो बार ये अवॉर्ड जीता है.

एशिया कप में खेल सकते हैं गिल

एशिया कप के लिए भारतीय टीम का ऐलान 19 या 20 अगस्त को होने की खबर है. संभावित खिलाड़ियों में एक नाम शुभमन गिल का भी है. अगर शुभमन गिल टीम में आते हैं तो एशिया कप में बाबर आजम से उनकी सीधी टक्कर देखने को मिलेगी. भारत और पाकिस्तान के नजरिए से मुकाबला जीतने के लिए इन दोनों बल्लेबाजों का अपनी-अपनी टीमों के लिए चलना जरूरी होगा.

ICC प्लेयर ऑफ द मंथ जीतने में बाबर से आगे निकले गिल

शुभमन गिल को जुलाई 2025 के लिए आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ का अवॉर्ड दिया गया है. इस अवॉर्ड को जीतने के साथ ही उन्होंने बाबर आजम का भी वो रिकॉर्ड तोड़ दिया, जिस पर पाकिस्तान अब तक नाज करता आ रहा था. मेंस क्रिकेट में अब तक सबसे ज्यादा 3 बार आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ जीतने का रिकॉर्ड बाबर आजम के नाम था. मगर शुभमन गिल ने चौथी बार उस खिताब को जीतते हुए पाकिस्तानी बल्लेबाज को पीछे छोड़ दिया है.

7 दिन के अंदर सरेंडर करो...

हत्या के आरोपी पहलवान सुशील कुमार को सुप्रीम कोर्ट का आदेश, फिर जाना होगा जेल

नई दिल्ली, एजेंसी। जूनियर नेशनल रेसलिंग चैंपियन सागर धनखड़ की हत्या के मुख्य आरोपी और दो बार के ओलंपिक पदक विजेता सुशील कुमार की जमानत रद्द सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कर दी। न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने कुमार को जमानत देने संबंधी दिल्ली हाई कोर्ट के 4 मार्च के आदेश को रद्द कर दिया। न्यायमूर्ति करोल ने फैसले का मुख्य अंश पढ़ते हुए सागर के पिता की ओर से जमानत आदेश के विरोध में दायर याचिका को स्वीकार कर लिया। न्यायाधीश ने कहा कि कुमार को एक सप्ताह के भीतर सरेंडर करना होगा।इस बीच सुशील कुमार जमानत पर छूटने के बाद उत्तर रेलवे में अपनी ड्यूटी पर लौट आया था, लेकिन अब उसे 7 दिन के अंदर सरेंडर करना होगा और जेल जाना होगा।

अशोक धनखड़ की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट का आदेश पलटा: वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ मृदुल ने मृतक के पिता अशोक धनखड़ का प्रतिनिधित्व किया, जबकि वरिष्ठ अधिवक्ता महेश जेठमलानी सुशील कुमार की ओर से शीर्ष अदालत में पेश हुए। सुशील कुमार पर कई अन्य लोगों के साथ मिलकर 4 मई, 2021 को दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम की पार्किंग में कथित तौर पर एक संपत्ति विवाद को लेकर धनखड़ और उनके दो दोस्तों सोनू और अमित कुमार पर हमला करने का आरोप है।

नेशनल पहलवान की हत्या के बाद 18 दिनों तक पुलिस से भागता रहा सुशील कुमार

हरियाणा के रोहतक के 23 वर्षीय पहलवान धनखड़ की हमले में लगी चोटों के कारण मौत हो गई, जबकि उनके दो साथी घायल हो गए। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार धनखड़ की मौत चोट के कारण हुई। इस घटना के बाद ओलंपियन की तलाश में बड़े पैमाने पर अभियान चलाया गया और 18 दिनों तक पंजाब, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और हरियाणा में भागने के बाद गिरफ्तार किया गया। दिल्ली पुलिस ने मुंडका इलाके में गिरफ्तार किया जब वह एक नेशनल स्तर के एथलीट से उधार ली गई स्कूटी पर सवार होकर नकदी लेने आया था। 23 मई, 2021 को गिरफ्तारी के बाद सुशील को रेलवे की नौकरी से निलंबित कर दिया गया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया, जहां वह अपनी जमानत के आदेश तक रहा।

सुशील कुमार पर अपहरण, डकैती, हत्या और दंगा सहित कई आरोप: दिल्ली की एक निचली अदालत ने अक्टूबर 2022 में सुशील कुमार और 17 सह-आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की कई धाराओं के तहत आरोप तय किए, जिनमें हत्या, दंगा, आपराधिक साजिश, अपहरण, डकैती और शस्त्र अधिनियम के तहत अपराध शामिल हैं। दिल्ली पुलिस के आरोपपत्र में सुशील कुमार को इस ग्रुप का सरगना बताया गया है और आरोप लगाया गया है कि अपने घटते प्रभाव की अफवाहों से अपने अहंकार को ठेस पहुंचाने के बाद कुश्ती समुदाय में अपना प्रभाव फिर से स्थापित करने के लिए उसने यह हमला करवाया। सुशील कुमार ने इन आरोपों से इनकार किया है।

हरभजन सिंह की अपील

'खून और पानी एकसाथ नहीं बह सकते, एशिया कप में पाकिस्तान से न खेले भारत'

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और राज्यसभा सदस्य हरभजन सिंह ने भारतीय क्रिकेट टीम से संयुक्त अरब अमीरात में होने वाले आगामी एशिया कप टूर्नामेंट में पाकिस्तान के खिलाफ मैच का बहिष्कार करने का आग्रह किया है। हरभजन उस भारतीय चैंपियन टीम का हिस्सा थे जिसने हाल ही में हुए वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में सेमीफाइनल सहित पाकिस्तान चैंपियन टीम के साथ खेलने से इनकार कर दिया था।

भारत पहले टूर्नामेंट में जीत हासिल करने के बाद मौजूदा चैंपियन था, लेकिन कप्तान युवराज सिंह, शिखर धवन और हरभजन

सिंह जैसे खिलाड़ियों के भारत के पाकिस्तान के साथ खेलने के खिलाफ होने के कारण, भारतीय चैंपियन टीम ने सेमीफाइनल मैच छोड़ दिया और पाकिस्तान को फाइनल में जाने दिया। भारतीय टीम ने अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ ग्रुप चरण के मैच में भी खेलने से इनकार कर दिया था। फाइनल में साउथ अफ्रीका चैंपियंस ने पाकिस्तान चैंपियंस को हराकर खिताब जीता।

देश की गरिमा के आगे क्रिकेट फीका: हरभजन

हरभजन सिंह ने टाइम्स ऑफ इंडिया को बताया, 'उन्हें (भारतीय टीम को) यह समझने की जरूरत है कि क्या जरूरी है और क्या नहीं। यह बिलकुल सीधी बात है। मेरे लिए, वे सैनिक जो सीमा पर खड़े हैं, जिनका परिवार अक्सर उनसे मिल नहीं पाता, जो कभी-कभी अपनी जान दे देते हैं और कभी घर नहीं लौटते, उनका बलिदान हम सबके लिए बहुत बड़ा है। उसकी तुलना में यह बहुत छोटी बात है कि हम एक भी क्रिकेट मैच खेलना नहीं छोड़ सकते। यह बहुत छोटी बात है।'

जब तक सीमा पर तनाव, तब तक क्रिकेट नहीं: हरभजन

टेस्ट क्रिकेट में हैट्रिक लेने वाले पहले भारतीय हरभजन सिंह ने कहा, 'हमारी सरकार का भी यही यानी 'खून और पानी एक साथ नहीं रह सकते' रुख है। ऐसा नहीं हो सकता कि सीमा पर लड़ाई हो, दोनों देशों के बीच तनाव हो और हम क्रिकेट खेलने जाएं। जब तक ये बड़े मुद्दे सुलझ नहीं जाते, क्रिकेट बहुत छोटी बात है।

आईसीसी रैंकिंग- रोहित शर्मा ने बाबर आजम को पीछे छोड़ा

दुबई, एजेंसी। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने आईसीसी वनडे रैंकिंग में पाकिस्तानी बैटर बाबर आजम को पीछे छोड़ दिया है। बाबर को वेस्टइंडीज दौरे पर खराब प्रदर्शन का नुकसान हुआ है। इसमें शुभमन गिल नंबर-1 पर हैं। आईसीसी ने बुधवार को अपनी ताजा रैंकिंग जारी की। इसके अनुसार, एक दिन पहले मंगलवार, 12 अगस्त को दूसरे मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 41 बॉल पर शतक बनाने वाले 22 साल के साउथ अफ्रीकी बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस को टी-20 बैटर्स की रैंकिंग में 80 स्थान का फायदा हुआ है। ब्रेविस ने नाबाद 125 रन की पारी खेली थी। वे 21वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

ब्रेविस के अलावा, साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टी-20 में 83 रनों की विस्टफोटक पारी खेलने वाले टिम डेविड 6 स्थान के उछाल के साथ 10वें स्थान पर आ गए हैं। यह टिम डेविड के करियर की बेस्ट रैंकिंग है। भारत के अभिषेक शर्मा 829 रेटिंग पॉइंट्स के साथ नंबर-1 पर हैं, जबकि जबकि तिलक वर्मा (804 रेटिंग पॉइंट्स) इंग्लैंड के फिल सॉल्ट (791 पॉइंट्स) को पीछे छोड़कर नंबर-2 पर आ गए हैं।

सिनसिनाटी ओपन

कार्लोस अल्काराज ने हमद मेडजेडोविक को हराया

सिनसिनाटी, एजेंसी। सिनसिनाटी ओपन में कार्लोस अल्काराज ने हमद मेडजेडोविक को हराकर 2025 की अपनी 50वीं जीत दर्ज की। अल्काराज ने 6-4, 6-4 से जीत दर्ज की। अल्काराज ने इस जीत के साथ ही लगातार 13वीं मास्टर्स 1000 जीत दर्ज की और एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट के चौथे दौर में प्रवेश किया। अल्काराज और मेडजेडोविक के बीच जब मैच की शुरुआत हुई तो कड़ी टक्कर देखने को मिली। लेकिन, कार्लोस ने मैच को धीरे-धीरे अपने पक्ष में किया। मेडजेडोविक ने 3-3 की बराबरी पर सर्विस की। सर्बिया के मेडजेडोविक ने तीन ब्रेक पॉइंट बचाए, लेकिन चौथे ब्रेक पॉइंट पर दबाव का असर दिखा। इसका फायदा कार्लोस को हुआ। अल्काराज ने 95 मिनट तक चले मैच को 6-4, 6-4 से जीता। जीत के बाद अल्काराज ने कहा, मुझे पता है कि वह वाकई एक ज़बरदस्त खिलाड़ी है। उसके

शॉट्स को रिटर्न करना बेहद मुश्किल होता है। उसकी सर्विस भी जबरदस्त है। मुझे पता है कि उसे इधर-उधर ज्यादा दौड़ना पसंद नहीं है, इसलिए मेरी योजना उसे जितना हो सके उतना दौड़ाने की थी। अल्काराज का सामना चौथे दौर में लुका नार्डी से होगा, क्योंकि जैकब मेन्सिक के मैच के बीच में ही रिटायर होने के बाद इस इतालवी खिलाड़ी को फ्री पास मिल गया था। 22 वर्षीय अल्काराज अपने आठवें मास्टर्स 1000 खिताब की तलाश में हैं। इस बेजोड़ जीत के सिलसिले के दौरान वे मोंटे कार्लो और रोम पर कब्जा कर चुके हैं। साल के अंत में नंबर 1 की दौड़ में जैनिक सिनर पर 1,500 अंकों की बढ़त के साथ वह काफी आगे हैं। सिनसिनाटी ओपन में जहां एक तरफ सभी खिलाड़ी गर्मी से परेशान हैं, परिस्थितियों से जूझ रहे हैं, और हार मान रहे हैं। वहीं, अल्काराज आराम से जीत दर्ज कर रहे हैं। कहीं न कहीं सिनसिनाटी ओपन को वे यूएस ओपन की तैयारी के तौर पर ले रहे हैं।

टी-20 विश्व कप: भारत ने की पड़ोसी देश की मदद, नेपाल की टीम ने बीसीसीआई के उत्कृष्टता केंद्र में अभ्यास किया

मुंबई, एजेंसी। बीसीसीआई ने एक्स पर लिखा, आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप क्वालिफायर की तैयारी के तहत नेपाल की राष्ट्रीय टीम ने दो सप्ताह के विशेष शिविर में बीसीसीआई के उत्कृष्टता केंद्र में अभ्यास किया। नेपाल की राष्ट्रीय क्रिकेट टीम ने आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप क्वालिफायर के लिए बेंगलुरु स्थित भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) में अभ्यास किया । यह भारत और नेपाल के बीच बढ़ते सहयोग का एक और उदाहरण है। बीसीसीआई पड़ोसी देश को क्रिकेट टीम के रूप में अपनी साख बेहतर बनाने में मदद कर रहा है। बीसीसीआई ने एक्स पर लिखा, आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप क्वालिफायर की तैयारी के तहत नेपाल की राष्ट्रीय टीम ने दो सप्ताह के विशेष शिविर में बीसीसीआई के उत्कृष्टता केंद्र में अभ्यास किया। टीम ने सुविधाओं का पूरा उपयोग किया और आगामी चुनौतियों के लिए खुद को तैयार करने के लिए कौशल, फिटनेस और खेल की विभिन्न स्थितियों पर काम किया।

शे होप ने की पाकिस्तान की ऐसी पिटाई, एबी डीविलियर्स भी छूटे पीछे

नई दिल्ली, एजेंसी। एक तीर से दो शिकार तो सुना था. मगर, वेस्टइंडीज के कप्तान शे होप ने पाकिस्तान की जैसी पिटाई की है, उसके बाद उन्होंने एक तीर से कई शिकार किए हैं. शे होप ने पाकिस्तान के खिलाफ विस्फोटक शतक लगाकर मोहम्मद रिजवान की टीम की हार तो तय की ही. इसके अलावा एबी डीविलियर्स को भी पीछे छोड़ने का काम किया. इतना ही नहीं, पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज डिसाइडर में शे होप के जमाए शतक के बाद अब क्रिस गेल और धोनी का रिकॉर्ड भी खतरे में पड़ गया है.

शे होप ने पाकिस्तान के खिलाफ 94 गेंदों का सामना करते हुए नाबाद 120 रन बनाए. 127.65 की स्ट्राइक रेट से खेली उनकी इस इनिंग में 5 छक्के और 10 चौके शामिल रहे. ये शे होप के वनडे करियर का 18वां, जबकि पाकिस्तान के खिलाफ दूसरा शतक रहा. शे होप की इस शतक की बदौलत वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 294 रन बनाए, जिससे पार पाना पाकिस्तान के लिए लोहे के चने चबाने जैसा बन गया.

'वोट चोरी' विवाद: चुनाव आयोग ने राहुल गांधी के आरोपों को बेबुनियाद बताया

-कहा- करोड़ों मतदाताओं का अपमान

नई दिल्ली। हाल ही में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के एक बयान ने देश की राजनीतिक बहस को गरमा दिया है। राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर आरोप लगाया कि वह "वोट चोरी" करा रहा है। इस बयान को लेकर चुनाव आयोग ने गुरुवार को बेहद सख्त शब्दों में प्रतिक्रिया दी। आयोग ने कहा कि "वोट चोरी" जैसे गंदे और अपमानजनक शब्दों का प्रयोग केवल झूठी कहानी गढ़ने की कोशिश है, जो न सिर्फ संस्थान की साख को चोट पहुंचाती है, बल्कि करोड़ों ईमानदार भारतीय मतदाताओं पर भी सीधा हमला है।

आयोग की सफाई — यह मतदाताओं पर हमला है

चुनाव आयोग ने अपने आधिकारिक बयान में स्पष्ट किया कि "वोट चोरी" शब्द का प्रयोग बेहद अनुचित है। इस तरह के शब्द केवल एक राजनीतिक बहस का हिस्सा नहीं, बल्कि उन करोड़ों नागरिकों का भी अपमान हैं, जो लोकतांत्रिक अधिकार के तहत वोट डालते हैं। आयोग के अनुसार, यह आरोप उन लाखों चुनावकर्मियों की ईमानदारी पर भी सवाल उठाता है, जो निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव कराने में दिन-रात मेहनत करते हैं। आयोग ने कहा कि "एक व्यक्ति, एक वोट" का सिद्धांत 1951-1952 के पहले आम चुनाव से ही लागू है और यह प्रमाण हमारी चुनावी व्यवस्था की रीढ़ है। इस सिद्धांत का पालन सुनिश्चित करने के लिए आयोग ने हमेशा सख्त कदम उठाए हैं।

सबूत पेश करें, बिना प्रमाण आरोप न लगाएं

चुनाव आयोग ने राहुल गांधी के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि अगर किसी के पास इस बात का ठोस प्रमाण है कि किसी व्यक्ति ने किसी चुनाव में दो बार वोट डाला है, तो वह प्रमाण निर्वाचन आयोग को सौंपा जाना चाहिए। इसके लिए एक शपथ-पत्र के साथ साक्ष्य प्रस्तुत करना आवश्यक है। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया कि बिना किसी प्रमाण के देश के सभी मतदाताओं को 'चोर' कहना न केवल बेबुनियाद है, बल्कि लोकतंत्र की गरिमा के खिलाफ भी है। ऐसे बयानों से जनविश्वास को चोट पहुंचती है और चुनाव प्रक्रिया पर अनावश्यक संदेह उत्पन्न होता है।

राजनीतिक बयानबाजी बनाम संस्थागत मर्यादा

भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में राजनीतिक दलों और नेताओं के बीच तीखी बयानबाजी आम है, लेकिन जब यह बयानबाजी संवैधानिक संस्थाओं की साख पर हमला करने लगे, तो मामला गंभीर हो जाता है। चुनाव आयोग के अनुसार, ऐसे शब्द और आरोप चुनाव की निष्पक्षता पर सवाल खड़ा करते हैं और जनता के मन में भ्रम पैदा करते हैं। राहुल गांधी जैसे वरिष्ठ नेताओं से उम्मीद की जाती है कि वे मुद्दों को तथ्यों और प्रमाणों के आधार पर उठाएं, न कि भावनात्मक और उकसाने वाले शब्दों से। चुनाव आयोग ने यह भी कहा कि आयोग हमेशा विपक्ष और सत्तापक्ष, दोनों के सुझावों और शिकायतों को गंभीरता से लेता है, लेकिन झूठी और भ्रामक बातों को फैलाना स्वीकार्य नहीं है।

मतदाता सूची में गड़बड़ी के आरोप

राहुल गांधी और विपक्ष के अन्य नेताओं का आरोप है कि कई राज्यों में मतदाता सूचियों में गड़बड़ी की गई है, जिससे विपक्षी दलों के समर्थक मतदाता सूची से बाहर हो गए या उनके नाम हट गए। इन आरोपों पर चुनाव आयोग का कहना है कि मतदाता सूची का अद्यतन एक पारदर्शी प्रक्रिया है, जिसमें सार्वजनिक सूचना, दावे और आपत्तियां दर्ज कराने के अवसर, और पुनरीक्षण की पूरी व्यवस्था होती है। आयोग का दावा है कि यदि कोई नाम गलत तरीके से हटाया गया है, तो उसके लिए सुधार का रास्ता मौजूद है और संबंधित व्यक्ति या पार्टी सीधे शिकायत कर सकती है।

लोकतंत्र में चुनाव आयोग की भूमिका

भारत का चुनाव आयोग संविधान द्वारा स्थापित एक स्वतंत्र और निष्पक्ष संस्था है, जिसका काम सभी स्तरों पर स्वतंत्र और पारदर्शी चुनाव कराना है। पिछले सात दशकों से यह संस्था करोड़ों वोटरों और हजारों उम्मीदवारों के बीच निष्पक्ष चुनाव कराती आ रही है। आयोग का कहना है कि उसके कामकाज पर इस तरह के आरोप न केवल उसकी साख को नुकसान पहुंचाते हैं, बल्कि लोकतंत्र में जनता के विश्वास को भी कमजोर करते हैं। "वोट चोरी" विवाद केवल एक राजनीतिक बयान का मामला नहीं, बल्कि लोकतंत्र के मूलभूत सिद्धांत — निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव — पर उठाए गए गंभीर सवाल का विषय बन गया है। चुनाव आयोग ने राहुल गांधी के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि इस तरह की भाषा और बेबुनियाद आरोपों से बचना चाहिए। यदि सच में कोई गड़बड़ी है, तो उसे सबूतों के साथ सामने लाया जाए, न कि करोड़ों ईमानदार मतदाताओं को कटघरे में खड़ा किया जाए। इस पूरे घटनाक्रम से साफ है कि चुनावी राजनीति में शब्दों का चयन और आरोपों की गंभीरता दोनों का महत्व बहुत अधिक है।

सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों पर सुनवाई पूरी की, सरकार और पक्षकारों में तीखी बहस

-आवारा कुत्तों के मुद्दे पर SC में गर्म बहस, फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को देशभर में बढ़ती आवारा कुत्तों की समस्या को लेकर महत्वपूर्ण सुनवाई पूरी करते हुए अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एनवी अंजारिया की विशेष पीठ ने इस मामले में सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कहा कि अब कोर्ट गहन विचार के बाद अपना निर्णय सुनाएगा। यह मामला लंबे समय से अदालत में विचाराधीन है और देशभर के कई शहरों, खासकर दिल्ली-NCR और केरल, महाराष्ट्र जैसे राज्यों से जुड़े मुद्दों को इसमें जोड़ा गया है।

सरकार और पक्षकारों की दलीलें

सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि देश में आवारा कुत्तों की संख्या तेजी से बढ़ रही है और इनके हमलों के कई मामले सामने आ रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस मुद्दे पर विचार करते समय हमें ज़मीनी सच्चाई और जनता की सुरक्षा को प्राथमिकता देनी चाहिए। तुषार मेहता ने एक तीखा टिप्पणी करते हुए कहा कि "यहां कई ऐसे लोग हैं जो खुद को पशु प्रेमी बताते हैं, लेकिन मांसाहारी हैं।" उनका संकेत इस ओर था कि केवल भावनात्मक अपील या पशु प्रेम के नाम पर व्यवहारिक समाधान की अनदेखी नहीं होनी चाहिए। वहीं, वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने अदालत से आग्रह किया कि इस मामले में कोई व्यावहारिक और स्थायी समाधान निकाला जाए। उन्होंने सुझाव दिया कि दिल्ली-NCR समेत अन्य शहरों से आवारा कुत्तों को इकट्ठा कर शेल्टर होम भेजा जाए। हालांकि, उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि वर्तमान में पर्याप्त शेल्टर होम मौजूद नहीं हैं, जिससे यह प्रक्रिया आसान नहीं है।

समस्या की गंभीरता

पिछले कुछ वर्षों में देश के कई हिस्सों से आवारा कुत्तों के हमले, खासकर बच्चों और बुजुर्गों पर, गंभीर चोटों और मौत तक के मामले सामने आए हैं। आवारा कुत्तों की संख्या में वृद्धि का कारण, एक ओर पर्याप्त नसबंदी कार्यक्रमों का अभाव है, तो दूसरी ओर शहरों में बढ़ते कचरे और खुले में फेंके जाने वाले भोजन के अवशेष भी हैं, जो इन कुत्तों के लिए आसानी से भोजन का स्रोत बन जाते हैं। दिल्ली-NCR में तो कई हाउसिंग सोसाइटीज़ और कॉलोनियों में कुत्तों के झुंड देखने को मिलते हैं। यहां तक कि कुछ पालतू पशु प्रेमी इन कुत्तों को नियमित रूप से खाना खिलाते हैं, जिससे उनका ठिकाना उन्हीं इलाकों में बन जाता है। परिणामस्वरूप, राहगीरों और खासकर बच्चों के लिए खतरा बढ़ जाता है।

कानूनी पृष्ठभूमि और चुनौतियां

पशु क्रूरता निवारण अधिनियम (Prevention of Cruelty to Animals Act) के तहत आवारा कुत्तों को नुकसान पहुंचाना या मारना प्रतिबंधित है। सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट्स पहले भी कई बार यह निर्देश दे चुके हैं कि इन कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण करके इन्हें उनके मूल स्थान पर छोड़ा जाए।

लेकिन, स्थानीय निकायों के पास पर्याप्त संसाधन, प्रशिक्षित स्टाफ और शेल्टर होम की कमी के कारण यह योजना सही तरीके से लागू नहीं हो पा रही है। इसके अलावा, पशु प्रेमियों और आम नागरिकों के बीच इस विषय पर मतभेद भी बड़ी चुनौती है। एक पक्ष मानता है कि कुत्तों को हर हाल में संरक्षण मिलना चाहिए, जबकि दूसरा पक्ष सुरक्षा और स्वास्थ्य के खतरे का हवाला देकर इनके नियंत्रित निपटारे की मांग करता है।

संभावित समाधान

सुनवाई के दौरान और इससे पहले कई पक्षों ने कुछ ठोस कदम सुझाए हैं, जैसे—

नसबंदी और टीकाकरण की गति तेज करना – बड़े पैमाने पर वैज्ञानिक और योजनाबद्ध तरीके से यह अभियान चलाना।

शेल्टर होम का निर्माण – हर शहर और जिले में पर्याप्त शेल्टर होम बनाए जाएं, जहां इन कुत्तों को सुरक्षित रखा जा सके।

कचरा प्रबंधन सुधारना – शहरों में खुले कचरे और खाने के अवशेषों की उपलब्धता कम करना, जिससे कुत्तों का प्रजनन और जमावड़ा घटे।

जन जागरूकता – लोगों को पालतू जानवरों की जिम्मेदारी, टीकाकरण और नसबंदी के महत्व के बारे में शिक्षित करना।

संतुलित कानून – ऐसा कानून बने जो पशु कल्याण और सार्वजनिक सुरक्षा दोनों को बराबर महत्व दे। अब जबकि सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया है, सभी की नजर इस बात पर होगी कि अदालत किस तरह के दिशानिर्देश और आदेश देती है। संभावना है कि कोर्ट ऐसा संतुलित समाधान पेश करे, जिससे एक ओर इंसानों की सुरक्षा सुनिश्चित हो और दूसरी ओर पशु अधिकारों का भी सम्मान बना रहे।

1947 के बाद भी भारत पर ब्रिटिश पकड़ की पूरी कहानी

-5 सेकेंड में तय हुई आज़ादी की तारीख

नई दिल्ली। ईस्ट इंडिया कंपनी को 31 दिसंबर 1600 ईस्वी में ब्रिटिश महारानी एलिज़ाबेथ प्रथम से पूर्वी देशों में व्यापार करने की इजाज़त मिली। यह सिर्फ़ एक व्यापारिक चार्टर था, लेकिन इसके पीछे छुपी महत्वाकांक्षा बहुत गहरी थी। लगभग 8 साल बाद, 1608 में कंपनी का पहला जहाज़ भारत के सूरत बंदरगाह पर पहुंचा। यहां से भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापारिक रिश्ता शुरू हुआ। कंपनी ने मुग़ल सम्राट जहांगीर के दरबार में दूत भेजकर व्यापार की अनुमति हासिल की और साथ ही टैक्स में छूट भी ले ली। इसके बाद भारत से सूती कपड़ा, रेशम, काली मिर्च, लौंग, इलायची और दालचीनी जैसे मसाले ब्रिटेन भेजने लगे। इन वस्तुओं की यूरोप में भारी मांग थी और मुनाफा इतना बड़ा कि ईस्ट इंडिया कंपनी ने धीरे-धीरे अपने पांव भारत में मजबूती से जमा लिए। लेकिन व्यापार ही उनका असली मक़सद नहीं था। कंपनी के अफ़सर भारतीय राजनीति में दखल देने लगे। बंगाल, बिहार और ओडिशा पर 1757 के प्लासी और 1764 के बक्सर युद्ध के बाद कंपनी का सीधा नियंत्रण हो गया। इसके साथ ही वे भारतीय प्रशासन, न्याय, सेना और कर व्यवस्था पर हावी होते चले गए। एक व्यापारी कंपनी धीरे-धीरे भारत की वास्तविक शासक बन गई। 19वीं सदी के मध्य तक भारतीयों में अंग्रेज़ी शासन के खिलाफ़ गुस्सा बढ़ता गया। यह गुस्सा 1857 की पहली स्वतंत्रता संग्राम में फूट पड़ा। इस बगावत ने ब्रिटिश हुकूमत की नींव हिला दी, लेकिन कंपनी को पूरी तरह समाप्त करने के बजाय ब्रिटिश सरकार ने भारत को सीधे अपने ताज के अधीन कर लिया। अब भारत ब्रिटिश साम्राज्य का "सबसे कीमती हीरा" बन चुका था। 20वीं सदी में विश्व युद्धों, महात्मा गांधी के नेतृत्व में चले असहयोग, सविनय अवज्ञा और 'भारत छोड़ो आंदोलन' ने अंग्रेज़ों को हिला दिया। आर्थिक रूप से थक चुके ब्रिटेन के लिए भारत पर शासन करना बोझ बन गया। लेकिन इसके बावजूद, वे चाहते थे कि भारत आज़ाद होने के बाद भी कॉमनवेल्थ और आर्थिक समझौतों के ज़रिए ब्रिटिश प्रभाव में बना रहे। आज़ादी की तारीख़ तय करने का क्षण बेहद नाटकीय था। ब्रिटेन के अंतिम वायसराय लॉर्ड माउंटबैटन ने महज़ 5 सेकेंड में 15 अगस्त 1947 को भारत की आज़ादी की तारीख़ घोषित कर दी। असल वजह थी—जल्दी से सत्ता हस्तांतरण करके निकल जाना, ताकि स्थिति और न बिगड़े। उन्होंने ये भी सुनिश्चित किया कि भारत और पाकिस्तान में बंटवारा हो, जिससे ब्रिटेन के सामरिक हित सुरक्षित रहें और उपमहाद्वीप कभी पूरी तरह मज़बूत न हो पाए। इस तरह भारत ने आज़ादी तो पा ली, लेकिन अंग्रेज़ों ने ऐसे राजनीतिक, आर्थिक और सामरिक ताने-बाने बुन दिए जिनसे वे अप्रत्यक्ष रूप से प्रभाव बनाए रख सकें। रेल नेटवर्क, कानूनी ढांचा, प्रशासनिक ढांचा और कई संस्थाएं अंग्रेज़ी सोच के मुताबिक़ ढाली गईं, जिनका असर आज भी दिखाई देता है। भारत की आज़ादी सिर्फ़ एक तारीख़ नहीं थी, बल्कि सदियों के संघर्ष, कुर्बानी और ब्रिटिश चालों का मिला-जुला परिणाम थी। अंग्रेज़ों का लक्ष्य अंत तक साफ़ था—सत्ता छोड़ना, लेकिन पकड़ पूरी तरह ढीली नहीं करना।

"ट्रम्प की पुतिन को दो-टूक चेतावनी: अलास्का वार्ता के बाद भी जंग न रुकी तो होंगे गंभीर नतीजे"

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को यूक्रेन युद्ध के मुद्दे पर सीधी और सख्त चेतावनी दी है। ट्रम्प ने साफ कहा है कि अगर 15 अगस्त को होने वाली ऐतिहासिक मुलाक़ात के बाद भी रूस यूक्रेन में चल रहे संघर्ष को खत्म करने पर राज़ी नहीं होता, तो इसके गंभीर और दूरगामी नतीजे होंगे। उनका यह बयान बुधवार को वॉशिंगटन डीसी में आयोजित एक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान आया।

यूक्रेन में साढ़े तीन साल से जारी जंग

यूक्रेन और रूस के बीच यह संघर्ष अब तक साढ़े तीन साल से जारी है। फरवरी 2022 में शुरू हुई यह जंग यूरोप की सीमाओं से आगे बढ़कर वैश्विक राजनीति, ऊर्जा बाज़ार और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन चुकी है। लाखों लोग अपने घर छोड़ चुके हैं, हज़ारों की मौत हो चुकी है और यूक्रेन का बुनियादी ढांचा भारी तबाही झेल चुका है। अमेरिका और यूरोप लगातार रूस पर प्रतिबंध लगाकर और यूक्रेन को हथियार व आर्थिक मदद देकर इस संघर्ष को रोकने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस नतीजा नहीं निकला है। ऐसे में ट्रम्प और पुतिन की मुलाकात को कूटनीतिक प्रयासों का एक अहम मोड़ माना जा रहा है।

अलास्का में होने वाली पहली अमेरिकी धरती पर मुलाकात

15 अगस्त को अलास्का में होने वाली बैठक ऐतिहासिक होगी, क्योंकि यह पहली बार है जब दोनों नेता अमेरिकी धरती पर आमने-सामने बैठकर यूक्रेन जंग पर सीधी बातचीत करेंगे। अलास्का का चयन प्रतीकात्मक तौर पर भी महत्वपूर्ण है—यह भौगोलिक रूप से अमेरिका और रूस के बीच की दूरी को पाटने का संकेत देता है। ट्रम्प प्रशासन ने संकेत दिया है कि इस वार्ता का मकसद केवल युद्धविराम नहीं, बल्कि एक स्थायी शांति समझौते की दिशा में आगे बढ़ना है। इसके लिए अमेरिका ने पहले ही एक "संभावित शांति रोडमैप" तैयार कर लिया है, जिसे बैठक में पुतिन के सामने रखा जाएगा।

ट्रम्प की चेतावनी का मतलब

प्रेस कॉन्फ्रेंस में ट्रम्प ने कहा— "हम शांति चाहते हैं, लेकिन अगर रूस बातचीत के बाद भी युद्ध को जारी रखने का फैसला करता है, तो उन्हें ऐसे नतीजे भुगतने पड़ेंगे जो उन्होंने पहले कभी नहीं देखे होंगे।" ट्रम्प ने यह स्पष्ट नहीं किया कि "गंभीर नतीजे" का मतलब सैन्य कार्रवाई है या और कड़े आर्थिक प्रतिबंध, लेकिन अमेरिकी रक्षा विश्लेषकों का मानना है कि यह चेतावनी रूस पर दबाव बढ़ाने की रणनीति का हिस्सा है। कुछ विशेषज्ञ इसे "कूटनीतिक धमकी" मानते हैं, जिसका उद्देश्य पुतिन को यह एहसास कराना है कि अगर वह अब भी जंग जारी रखते हैं, तो पश्चिमी देशों की सामूहिक प्रतिक्रिया और भी कठोर होगी।

रूस की प्रतिक्रिया

मॉस्को से आई शुरुआती प्रतिक्रियाओं के मुताबिक, रूस ने ट्रम्प की चेतावनी को "अनावश्यक दबाव" और "वार्ता की भावना के खिलाफ" बताया है। रूसी विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने कहा कि अलास्का बैठक का उद्देश्य बातचीत और समझौते का रास्ता खोजना होना चाहिए, न कि धमकी देना। हालांकि, रूस के नज़दीकी सूत्रों का कहना है कि पुतिन इस बैठक में युद्धविराम के कुछ शर्तों पर विचार कर सकते हैं, बशर्ते कि यूक्रेन नाटो में शामिल होने की योजना को टाल दे और रूस द्वारा कब्ज़ाए गए कुछ क्षेत्रों की स्थिति पर लचीलापन दिखाए।

अमेरिका के लिए दांव ऊंचा

ट्रम्प के लिए यह मुलाक़ात राजनीतिक रूप से भी बेहद अहम है। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव नज़दीक हैं और यूक्रेन युद्ध को समाप्त करना ट्रम्प के लिए एक बड़ी उपलब्धि साबित हो सकता है। अमेरिकी जनता लंबे समय से इस संघर्ष में अमेरिका की भूमिका पर सवाल उठा रही है, खासकर तब जब अरबों डॉलर की मदद के बावजूद युद्ध खत्म होने का कोई स्पष्ट संकेत नहीं दिख रहा। अगर अलास्का बैठक में कोई ठोस परिणाम निकलता है, तो यह ट्रम्प की विदेश नीति की बड़ी जीत मानी जाएगी। वहीं, असफलता की स्थिति में यह उनकी कूटनीतिक क्षमता पर सवाल खड़े कर सकती है।

वैश्विक असर

यूक्रेन युद्ध ने दुनिया भर में खाद्य आपूर्ति, तेल-गैस के दाम और यूरोप की सुरक्षा को प्रभावित किया है। रूस गेहूं और ऊर्जा का बड़ा निर्यातक है, और इस युद्ध के चलते कई देशों में महंगाई और ऊर्जा संकट बढ़ा है।

चीन की तर्ज पर पाकिस्तान बनाएगा रॉकेट फोर्स: शहबाज शरीफ का ऐलान

-दुश्मन को मिलेगा तुरंत जवाब

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान ने अपने रक्षा ढांचे में एक बड़ा और अहम कदम उठाते हुए चीन की तर्ज पर आर्मी रॉकेट फोर्स बनाने का फैसला किया है। यह घोषणा प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पाकिस्तान के 79वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर, यानी 13 अगस्त की रात, राष्ट्र के नाम संबोधन में की। उन्होंने इसे देश की सुरक्षा, संप्रभुता और क्षेत्रीय शक्ति संतुलन बनाए रखने के लिए जरूरी बताया।

आधुनिक युद्ध की जरूरतों के मुताबिक कदम

शरीफ ने कहा कि मौजूदा दौर का युद्ध केवल पारंपरिक हथियारों पर आधारित नहीं है, बल्कि अब इसमें मिसाइल और रॉकेट तकनीक की भूमिका निर्णायक हो गई है। इसी को ध्यान में रखते हुए पाकिस्तान एक ऐसी फोर्स तैयार करेगा, जिसमें मिसाइल और रॉकेट तकनीक को एकीकृत किया जाएगा। इसका उद्देश्य दुश्मन के किसी भी खतरे का तुरंत और सटीक जवाब देना होगा।

प्रधानमंत्री ने कहा— "हमारी नई रॉकेट फोर्स पाकिस्तान के रक्षा तंत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाएगी। यह न केवल हमारी संप्रभुता की रक्षा करेगी, बल्कि क्षेत्र में शक्ति संतुलन को भी मजबूत करेगी।"

चीन का मॉडल क्यों?

चीन के पास पहले से ही एक पीपुल्स लिबरेशन आर्मी रॉकेट फोर्स (PLARF) है, जिसे दुनिया की सबसे उन्नत रॉकेट और मिसाइल बलों में गिना जाता है। यह बल बैलिस्टिक मिसाइल, क्रूज़ मिसाइल और हाइपरसोनिक हथियारों से लैस है। पाकिस्तान का दावा है कि वह इसी तरह का ढांचा अपनाकर अपनी स्ट्राइक कैपेबिलिटी को नए स्तर तक ले जाएगा। विशेषज्ञों का मानना है कि चीन-पाकिस्तान के बीच गहरे रक्षा संबंध और हथियार प्रौद्योगिकी में सहयोग पहले से मौजूद है, जिससे पाकिस्तान के लिए यह योजना तकनीकी रूप से संभव हो सकती है।

क्षेत्रीय सुरक्षा समीकरण पर असर

पाकिस्तान का यह फैसला दक्षिण एशिया के सुरक्षा संतुलन पर गहरा असर डाल सकता है। भारत पहले से ही लंबी दूरी की मिसाइलें, रॉकेट आर्टिलरी सिस्टम और सुपरसोनिक हथियारों पर काम कर रहा है। ऐसे में पाकिस्तान की नई रॉकेट फोर्स इस प्रतिस्पर्धा को और तेज कर सकती है। रक्षा विश्लेषकों के अनुसार, इस कदम से भारत-पाकिस्तान के बीच हथियारों की दौड़ में एक नया अध्याय जुड़ जाएगा। विशेषकर, दोनों देशों के पास पहले से परमाणु हथियार होने के कारण यह विकास रणनीतिक तनाव को बढ़ा सकता है।

तकनीक, हथियार और प्रशिक्षण पर जोर

शहबाज शरीफ ने अपने भाषण में कहा कि सरकार सेना को आधुनिक हथियार, नवीनतम तकनीक और विशेष प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के लिए सभी संसाधनों का इस्तेमाल करेगी। उन्होंने साफ किया कि यह योजना केवल रॉकेट या मिसाइल तक सीमित नहीं होगी, बल्कि इसमें टार्गेटिंग सिस्टम, रडार, कमांड और कंट्रोल नेटवर्क भी शामिल होंगे।

उन्होंने कहा— "हमारे सैनिकों को वह हर सुविधा, साधन और तकनीक दी जाएगी जिसकी मदद से वे किसी भी परिस्थिति में देश की रक्षा कर सकें।"

रक्षा नीति में बड़ा बदलाव

विशेषज्ञ इसे पाकिस्तान की रक्षा नीति में बड़ा बदलाव मान रहे हैं। अब तक पाकिस्तान की सेना पारंपरिक हथियारों और वायु रक्षा क्षमता पर ज्यादा निर्भर रही है, लेकिन रॉकेट फोर्स के गठन से उसका फोकस लंबी दूरी की सटीक मार करने वाली क्षमताओं की ओर जाएगा। इसके अलावा, चीन के अनुभव और तकनीकी सहयोग से पाकिस्तान कम लागत में अपनी स्ट्राइक कैपेबिलिटी बढ़ा सकता है, जो उसके सीमित रक्षा बजट के मद्देनजर महत्वपूर्ण है।

अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया

हालांकि पाकिस्तान के इस कदम पर अभी अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया आना बाकी है, लेकिन अनुमान है कि अमेरिका और भारत इसे क्षेत्र में हथियारों की दौड़ को बढ़ावा देने वाला कदम मान सकते हैं। वहीं, चीन संभवतः इस योजना का समर्थन करेगा, क्योंकि यह उसके रणनीतिक साझेदार के रक्षा ढांचे को मजबूत करेगा। पाकिस्तान का चीन की तर्ज पर रॉकेट फोर्स बनाने का फैसला उसके रक्षा ढांचे में एक अहम मोड़ साबित हो सकता है। यह न केवल उसकी सैन्य शक्ति में इजाफा करेगा, बल्कि दक्षिण एशिया में रणनीतिक संतुलन को भी प्रभावित करेगा।

सावरकर मानहानि केस में राहुल गांधी की सुरक्षा पर दायर याचिका वापस

-सहमति विवाद के बाद वकील ने कोर्ट से ली अनुमति

नई दिल्ली। पुणे की स्पेशल MP/MLA कोर्ट में चल रहे सावरकर मानहानि केस के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी की सुरक्षा को लेकर बुधवार को दाखिल की गई याचिका को गुरुवार को वापस ले लिया गया। राहुल के वकील मिलिंद पवार ने कोर्ट में औपचारिक रूप से इस पिटीशन को वापस लेने की अनुमति मांगी, जिसे अदालत ने मंजूर कर लिया।

याचिका दाखिल करने का कारण

बुधवार को वकील पवार ने कोर्ट में एक लिखित आवेदन देकर दावा किया था कि राहुल गांधी की जान को खतरा बढ़ गया है। उनका तर्क था कि हाल ही में राहुल ने "वोट चोरी" से जुड़ा मामला उजागर किया है, जिसके बाद उनकी सुरक्षा को लेकर गंभीर आशंकाएं हैं। इस आधार पर उन्होंने कोर्ट से विशेष सुरक्षा इंतज़ाम सुनिश्चित करने की मांग की थी।

कोर्ट की कार्यवाही

मिलिंद पवार के अनुसार, बुधवार को कोर्ट ने उनकी याचिका को रिकॉर्ड पर ले लिया था, लेकिन गुरुवार सुबह उन्होंने स्वयं इस याचिका को वापस लेने की अनुमति मांगी। पवार ने कहा — "आज सुबह स्पेशल कोर्ट में आवेदन देकर मैंने याचिका वापस लेने की अनुमति मांगी। अदालत ने मेरी इस मांग को स्वीकार कर लिया है।"

विवाद की पृष्ठभूमि

याचिका दाखिल होने के तुरंत बाद यह मामला मीडिया में चर्चा का विषय बन गया। इसी बीच कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए कहा कि यह याचिका राहुल गांधी की सहमति के बिना दायर की गई थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी नेतृत्व ने इस तरह की किसी याचिका की मंजूरी नहीं दी थी।

सावरकर मानहानि केस क्या है?

यह मामला राहुल गांधी के एक बयान से जुड़ा है, जिसमें उन्होंने विनायक दामोदर सावरकर का जिक्र करते हुए टिप्पणी की थी। इसके खिलाफ महाराष्ट्र में कई शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें से एक पर पुणे की स्पेशल MP/MLA कोर्ट में सुनवाई चल रही है। यह अदालत विशेष रूप से जनप्रतिनिधियों से जुड़े मामलों को देखती है।

"वोट चोरी" विवाद

हाल ही में राहुल गांधी ने चुनाव आयोग और सत्ताधारी दल पर आरोप लगाया था कि चुनाव में "वोट चोरी" की जा रही है। उन्होंने दावा किया कि वोटर लिस्ट में गड़बड़ियां कराई जा रही हैं। चुनाव आयोग ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि "वोट चोरी" जैसे शब्द करोड़ों मतदाताओं के अपमान के समान हैं और ऐसे "भ्रामक" आरोपों से बचना चाहिए।

याचिका वापसी के संभावित कारण

कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार, याचिका के वापस लेने के पीछे दो मुख्य कारण हो सकते हैं — सहमति का अभाव: पार्टी और राहुल गांधी की मंजूरी के बिना सुरक्षा संबंधी कोई कानूनी कदम उठाना राजनीतिक रूप से संवेदनशील हो सकता है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,